मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 60
सोमवार, 08 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महाराष्ट्र में गणेश विसर्जन पर छाया मातम, करंट और पानी में डूबने से 5 की मौत, 13 लोग हुए लापता

मुंबई, 07 सितम्बर। रविवार को मुंबई में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान बिजली का झटका लगने से 36 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पाँच अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना साकीनाका के खैरानी रोड पर सुबह करीब 10.45 बजे हुई, जब एक लटकता हुआ बिजली का तार गलती से गणपति की मूर्ति को छू गया। स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मूर्ति के पास खड़े छह श्रद्धालुओं को बिजली के झटके लगे।

स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के निजी अस्पतालों में पहुँचाया, जबकि एक व्यक्ति को नगर निगम द्वारा संचालित सेवन हिल्स अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बिनु सुकुमारन कुमारन (36) को मृत घोषित कर दिया। बाकी पाँच लोगों, सुभांशु कामत (20), तुषार गुप्ता (20), धर्मराज गुप्ता (49), करण कनौजिया (14) और अनुष गुप्ता (6) को पैरामाउंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई गई है।इसके अलावा महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में गणेश उत्सव के समापन के बाद मूर्तियों के विसर्जन के दौरान कम से कम चार लोग डूब गए और 13 अन्य लापता हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुणे जिले के चाकन क्षेत्र में तीन अलग-अलग घटनाओं में चार लोग अलग-अलग जलाशयों में बह गए। उन्होंने कहा कि दो लोग वाकी खुर्द में भामा नदी में और एक शेल पिंपलगांव में बह गया तथा एक अन्य व्यक्ति पुणे ग्रामीण के बिरवाड़ी में एक कुएं में गिर गया।अधिकारी ने बताया कि चार लोगों में से दो के शव अब तक बरामद कर लिए गए हैं तथा अन्य दो की तलाश जारी है। नांदेड़ जिले के गडेगांव में एक नदी में तीन लोग बह गए। पुलिस ने बताया कि बाद में एक व्यक्ति को बचा लिया गया और अन्य दो की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि नासिक में चार लोग इसी तरह की त्रासदी का शिकार हुए और उनमें से एक का शव सिन्नार में बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि जलगांव में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग बह गए और उनका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। इसने बताया कि ठाणे जिले में मूर्ति विसर्जन के दौरान तीन लोग बह गए और अब तक एक शव बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, एक अन्य घटना में, अमरावती में विसर्जन के दौरान एक व्यक्ति के डूबने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां, झील और अन्य जल निकाय उफान पर हैं, जिसके कारण राज्य आपदा मोचन दल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तैनात किया गया है।

कर्नाटक मतदाता धोखाधड़ी मामले में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा रहा निर्वाचन आयोगः खरगे

नई दिल्ली, 07 सितम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने निर्वाचन आयोग पर रविवार को अहम जानकारी छिपाने का आरोप लगाया और दावा किया कि यह कथित वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है। खरगे ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले फॉर्म सात में जालसाजी कर मतदाताओं को हटाने के प्रयास से संबंधित मामला ठंडा पड़ गया है क्योंकि निर्वाचन आयोग ने अब तक आरोपियों को पकड़ने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण आंकड़े साझा नहीं किये हैं।

निर्वाचन आयोग ने फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन उसने अतीत में कांग्रेस के ऐसे सभी दावों को निराधार बताया था। खरगे ने प्रश्न किया, क्या निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब भाजपा का वोट चोरी का अड्डा बन गया है? उन्होंने कहा, इस घटनाक्रम को समझिए। मई 2023 के कर्नाटक चुनावों से पहले कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। फॉर्म सात में जालसाजी कर एक बेहद जटिल प्रक्रिया के जरिए हजारों मतदाताओं के अधिकार छीन लिए गए। खरगे ने कहा, फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदन सामने आए जो मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का स्पष्ट प्रमाण था। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया।

खरगे ने कहा, लेकिन दिक्कत यहां हैः जहां आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए जरूरी दस्तावेजों का एक हिस्सा साझा किया था, वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी छिपा ली है और वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है! उन्होंने पूछा कि निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों छिपाया?

स्कूटर, लॉरी और कार की टक्कर में तीन नाबालिग लड़कों की मौत

चामराजनगर, 07 सितम्बर। चामराजनगर में एक स्कूटर की विपरीत दिशाओं में जा रही एक लॉरी और कार से टक्कर हो गई, जिसमें स्कूटर सवार तीन लड़कों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि चारों लड़के शनिवार रात चामराजनगर में गलीपुरा के पास रिंग रोड पर स्कूटर चला रहे थे। यह करिवराधराज हिल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। मृतकों की पहचान गलीपुरा इलाके के मेहरान (13) और अदनान पाशा (9) और चामराजनगर के केपी मोहल्ला के रेयान (8) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि स्कूटर पर सवार फैजल (11) गंभीर रूप से घायल है और जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्कूटर तमिलनाडु की ओर जा रही कार और चामराजनगर की ओर आ रहे ट्रक के बीच फंस गया।

टक्कर में स्कूटर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त गया। मेहरान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी लोगों को सिम्स अस्पताल ले जाया गया और बाद में मैसूर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

काफी प्रयासों के बावजूद दो और बच्चों को बचाया नहीं जा सका। कार में सवार दो लोगों को भी मामूली चोटें आईं। कार और लॉरी दोनों के चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है तथा जांच जारी है।

यूपी में बेटियों को बराबरी का हक

विवाह अब नहीं बनेगा हक की दीवार, बेटियां पाएंगी खेत-खलिहान में अपना हिस्सा

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक ऐसा कदम उठाने जा रही है, जो केवल कानूनी सुधार ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण भी होगा। खास यह है कि यह न केवल कानूनी सुधार होगा बल्कि समाज की सोच में भी नव चेतना जगाएगा। अब तक विवाह, बेटी और खेत, इन तीन शब्दों के बीच एक अदृश्य दीवार खड़ी कर देता था। पिता के खेत-खलिहान में शादीशुदा बेटी को अधिकार नहीं मिलता था। या यूं कहे सदियों से पिता की विरासत को लेकर बेटियों के हिस्से में बस ममता की स्मृतियां आती रही हैं, खेत-खलिहान पर उनका नाम नहीं लिखा जाता था। विवाह, जो जीवन का उत्सव होना चाहिए था, बेटियों के लिए हक खोने की घोषणा बन जाता था।

यह व्यवस्था लंबे समय से भेदभाव और पीड़ा का प्रतीक मानी जाती रही है। अब यह अन्याय मिटने जा रहा है। अब उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद ने जिस संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है, उससे यह अन्याय मिटने की दिशा में उम्मीद की नई किरण फूटी है। मतलब साफ है यह फैसला केवल कानून की किताब में बदलाव नहीं है, बल्कि संस्कृति और समाज की आत्मा में सुधार है। यह उन बेटियों के लिए न्याय है, जो अब तक विवाह के नाम पर अपनी जन्मभूमि से कट जाती थीं। उत्तर प्रदेश की मिट्टी अब अपनी बेटियों से नहीं कहेगी, तुम पराई हो। बल्कि कहेगी, तुम भी मेरी संतान हो, और तुम्हारा भी उतना ही हिस्सा है जितना तुम्हारे भाई का।

वर्तमान राजस्व संहिता-2006 की धारा 108(2) के तहत विवाह, बेटी और जमीन के बीच एक कृत्रिम दीवार खड़ी कर देता था। पिता की मृत्यु पर जमीन विधवा, पुत्र और अविवाहित पुत्री के नाम दर्ज होती, जबकि विवाहित बेटी को उसका हिस्सा नहीं मिलता। यह मानो विवाह के बाद बेटी अपने ही घर और खेत से पराई हो जाती। या यूं कहे पिता की मृत्यु के बाद जमीन पर अधिकार विधवा, पुत्र और अविवाहित पुत्री को तो मिलता, पर विवाहित बेटी को नहीं। यह स्थिति उस समाज में और भी कटु प्रतीत होती थी, जो बेटी को लक्ष्मी मानकर घर से विदा करता है। प्रस्तावित संशोधन में अब विवाहित और अविवाहित शब्द हट जाएंगे। इसका अर्थ है कि बेटी चाहे विवाहिता हो या अविवाहिता, वह उत्तराधिकारी है, और बराबरी से है।

भारतीय परंपरा में पृथ्वी को धरणी माता कहा गया है, और पुत्री को भी माता की प्रतिछाया माना गया है। फिर कैसा यह विरोधाभास कि भूमि पर बेटी का अधिकार विवाह के नाम पर छिन जाए? महाभारत में द्रौपदी ने जुए के दांव में अपने अपमान पर जो प्रश्न उठाया था, वह दरअसल स्त्री की अस्मिता और अधिकार का प्रश्न था।

'टोटी चोर' कहने पर अखिलेश यादव की पार्टी भड़की

भाजपा विधायक केतकी सिंह को सपा ने मानहानि का नोटिस भेजा

लखनऊ, 07 सितम्बर। समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के बांसडीह विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक केतकी सिंह को मानहानि का नोटिस जारी किया है। केतकी सिंह ने आरोप लगाया था कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री आवास से नल (टोटियाँ) चुराई थीं। एक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए इस आरोप ने दोनों दलों के बीच राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया।

समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल द्वारा 5 सितंबर को भेजे गए इस नोटिस में कहा गया है कि केतकी सिंह के आरोप झूठे, भ्रामक और अपमानजनक थे। नोटिस में उन पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की छवि खराब करने के इरादे से जानबूझकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का आरोप लगाया गया है। पाल ने विधायक से औपचारिक माफी माँगी और कहा कि इसे 15 दिनों के भीतर प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाए और उसी यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जाए। पार्टी ने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर दीवानी और आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाया जाएगा।मानहानि के दावों के बाद, समाजवादी पार्टी की महिला कार्यकताओं के एक समूह ने लखनऊ में केतकी सिंह के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। कथित तौर पर उनकी टिप्पणियों के जवाब में किए गए इस विरोध प्रदर्शन में जोरदार प्रदर्शन हुए और विधायक के आरोपों का संदर्भ देते हुए प्रतीकात्मक रूप से उन्हें नल उपहार देने की कोशिश की गई। केतकी सिंह, जो उस समय बलिया में थीं, ने प्रदर्शनकारियों पर उनके घर में तोड़फोड़ करने और उनकी नाबालिग बेटी को डराने का आरोप लगाया, जिसने इस हंगामे के कारण स्कूल जाना छोड़ दिया था। उन्होंने इस घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कसम खाई। सपा महिला सभा की नेता नेहा यादव ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन कानून-व्यवस्था, रोजगार, महिला सुरक्षा और किसानों की आय सहित विभिन्न मुद्दों पर जवाबदेही की माँग के साथ-साथ 'नल चोरी' के आरोपों का जवाब देने के लिए भी था।

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेगी एआईएमआईएम

हैदराबाद। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को अपनी पार्टी का समर्थन देने का शनिवार को ऐलान किया। ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तेलंगाना सीएमओ ने उनसे बात की और नौ सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में रेड्डी की उम्मीदवारी का समर्थन करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, तेलंगाना सीएमओ ने आज मुझसे बात की और अनुरोध किया कि हम उपराष्ट्रपति चुनाव में न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करें।

जल की बूंद का महत्व अगली पीढ़ी को भी समझना होगा

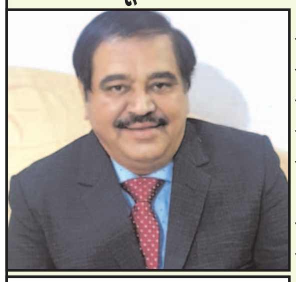

संजीव ठाकुर

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है। अतः मात्र 3% जल ही पीने के योग्य है। इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूजलीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है। यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतराष्ट्रीय नदियों में है। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कवल रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होंगे तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उस संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध ल्लड्डल्ल-ड्ड्रौल्ल्ल्ल्ल३ अंगिनाईजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्त्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25% जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1% से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1% से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होना कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

विकास के तरकश से निकलते तीर, बदल रही उत्तर प्रदेश की तस्वीर

-विक्रम दयाल

उत्तर प्रदेश अब एक विकसित राज्य की श्रेणी में अग्रसर है। राज्य में विकास के चलते कुछ नये कार्य हो रहे हैं। जैसे नए शहरी विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, बुनियादी ढांचे में सुधार और निवेश में बढ़ावा, जो राज्य के आर्थिक विकास को गति दे रहें हैं, तथा रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। उनमे से प्रमुख विकास कार्यक्रम शहरी विकास परियोजनाएं: शहरी विकास विभाग द्वारा कई नये प्रोजेक्ट शुरू किये गए हैं, जिनसे शहरों का आधुनिकीकरण हो रहा है, और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। बुनियादी ढांचे में सुधार: सड़कों, हवाई अड्डों और परिवहन से अन्य साधनों में सुधार किया जा रहा है, जिससे यात्रा अब सुगम हो रही है, और व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। निवेश को प्रोत्साहन: राज्य सरकार विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर प्रयास कर रही है। जिससे प्रदेश में नये उद्योग स्थापित हो रहे हैं, और स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहे हैं। डिजिटल इंडिया कि पहल से अब डिजिटल सेवाओं का विस्तार और विभिन्न सरकारी योजनाओं को आन लाइन उपलब्ध कराने के प्रयासों से प्रशासन अधिक पारदर्शी और कुशल बन रहा है। यह विकास कार्य राज्य को भारत से पिछड़े राज्यों में से एक होने की स्थिति से बाहर निकालने और आर्थिक प्रगति को पथ पर लाने के लिए किये जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की नई नई परियोजनाएं: स्वच्छ भारत अभियान, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह, निःशुल्क बोरिंग, अम्बेडकर विशेष राजगीर, मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण महापुरुषों ने प्रेरणा लेकर विरासत और विकास को साथ लेकर चलने की सरकार की कुशल नीति है। महापुरुषों की विरासत से प्रेरित विकास- सरकार एकसाथ 10 नई योजनायें शुरू कर महापुरुषों को किया समर्पित। माता शबरी, पाल समाज कि राजमाता अहिल्याबाई, सरदार पटेल से लेकर बाबा साहेब, कबीर, रैदास और धरती और आबा की विरासत को सहेजने का प्रयास। सामाजिक समरसता की दिशा में सरकार का विशेष प्रयास। जैसे, माता शबरी के नाम पर कृषि मंडियों में कंटीन और विश्रामालय, सरदार पटेल के नाम पर जनपदीय आर्थिक क्षेत्र, माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पश्रमजीवी महिला होस्टल, महारानी लक्ष्मीबाई मेधावी छात्रा स्कूली योजना। संत कबीरदास के नाम पर सीएम मित्रपार्क योजना। चर्मोद्योग संत रविदास के नाम पर। लखनऊ में सीड पार्क भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर। नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय भारत रत्न अटल बिहारी के नाम पर। भारत रत्न बाबा साहब डाक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम पर छात्रावास। बिरसा मुंडा को समर्पित दो जनजातीय संग्रहालय। उत्तर प्रदेश धार्मिक पहचान में भी अपना एक अलग स्थान रखता है। उत्तर प्रदेश सरकार, जनपद सीतापुर में नैमिषारायण: यह स्थान धार्मिक और ज्ञान का केंद्र था। 8800(भिक्षुक) मेंडिकट्स यहाँ ध्यान लगाते है। पूर भारत से लोग इस पवित्र स्थान पर जाते हैं। जिला प्रयागराज: धार्मिक स्थान: दारा गंज मोहल्ले में गंगाजी के किनारे लेटे हुए प्रभु हनुमानजी का मंदिर है। धार्मिक जिला आजमगढ़: चरण पादुका गुरु दारा, अपनी संस्कृत और विरासत के लिए जाना जाता है। उत्तर प्रदेश का धार्मिक स्थल वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, प्रयागराज त्रिवेणी संगम, प्रमुख स्थल हैं। जबकि अयोध्या भगवान राम की जन्मस्थली है। मथुरा कृष्ण भगवान की जन्मभूमि है। इसके अलावा सारनाथ बोध धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है। जहाँ भगवान बुद्ध ने अपने पहले उपदेश दिये। कुशीनगर भी बौध धर्म से जुड़ा एक पवित्र स्थान है, जहाँ बुद्ध ने अपने अंतिम उपदेश दिये थे। नैमिषारण्य: गोमती नदी के किनारे स्थित यह एक प्राचीन हिंदू तीर्थ स्थल है। श्रावस्ती: यह भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण बौद्ध और जैन तीर्थ स्थल है।

पंजाब जल प्रलय : दुनिया के मददगारों को आज मदद की दरकार

-तनवीर जाफरी

भारत का अन्न भंडारः कहा जाने वाला देश की खाद्य आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य पंजाब इन दिनों जल प्रलय जैसे अति गंभीर संकट से जूझ रहा है। कुछ स्रोतों के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य भंडार में पंजाब लगभग 45% अनाज का योगदान करता है। इसमें देश के गेहूं उत्पादन में लगभग 22% और चावल उत्पादन में लगभग 12% का योगदान शामिल है। इसीलिए पंजाब देश की खाद्य आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके अलावा इसी पंजाब का किसान भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जरूरतमंदों की हर तरह की मदद करने के लिये पहली पंक्ति में खड़ा नजर आता है। चाहे वह युद्ध की विभीषिका से जूझने वाले लोग हों या भूकंप,सुनामी अथवा बाढ़ से प्रभावित लोग,शरणार्थियों की मदद करनी हो या कोरोना जैसे विश्वस्तरीय संकटकाल में लोगों को मुफ़्त भोजन व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराना हो, पंजाब की यह कौम हमेशा सबसे आगे खड़ी नजर आई है। न यह धर्म देखते हैं न देश, न सीमा न जाति या भाषा। इन्हें प्रत्येक मानव की पीड़ा अपनी पीड़ा महसूस होती है और यह कौम तन मन धन से एकजुट होकर मदद करने को खड़ी हो जाती है। आज पूरे देश में न जाने कितने गुरुद्वारे दिन रत जरूरतमंदों को लंगर उपलब्ध कराते हैं। देश बार में स्वास्थ्य सम्बन्धी दर्जनों प्रयोगशालाएं व अस्पताल इनके सौजन्य से संचालित हो रहे हैं।

दुर्भाग्यवश आज हमारे देश का यही पंजाब प्राकृतिक प्रकोप से जूझ रहा है। इन दिनों जम्मू कश्मीर,हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल सहित केवल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से राज्य के सभी 23 जिले प्रभावित हैं। राज्य में अब तक दर्जनों लोगों की मौत या उनके लापता होने के समाचार हैं। इस जल प्रलय से पंजाब के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 2000 गांव जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के अनुसार बाढ़ ने लगभग 18 लाख हेक्टेयर खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। बासमती फसल को तो भारी नुक़्सान हुआ है। अभी तक 600 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकारी व अनेक गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रह है। हजारों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर या राहत शिविरों में पहुँचाया जा चुका है।

इसी दौरान शौर्य समर्पण व बलिदान की इस धरती से बड़े ही ह्रदय विदारक दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हजारों गायें भैंसें तेज बहाव में बहकर लापता हो गई हैं। पूरी पूरी डेयरियां जल प्रलय का शिकार हो गयी हैं। लोगों के खेतों में वर्तमान फसल तो बर्बाद हुई ही है परन्तु ऐसी संभावना भी है कि खेतों में रेत की मोटी परत बैठ जाने के चलते अनिश्चितकाल के लिये इन खेतों की अपनी उर्वरक क्षमता भी समाप्त हो जाएगी। गोया इस जल प्रलय के चलते आने वाले वर्षों में देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है।

बहरहाल आज पीड़ा की इस घड़ी में पंजाब के किसानों के साथ पूरा देश खड़ा दिखाई दे रहा है। अक्षय कुमार,दिलजीत दोसांझ,रणदीप हुड्डा,सोनू सूद,प्रीटी जिंटा,करीना कपूर, विक्की कौशल,एमी विर्क,राज कुंद्रा,गुरु रंधावा,गिप्पी ग्रेवाल,करण औजला,सुनंदा शर्मा,शाहरुख खान , आलिया भट्ट, करण जौहर,हरभजन सिंह,मनकीरत औलख,बब्बू मान, रणजीत बावा,सोनम बाजवा ,संजय दत्त,अजय देवगन, कपिल शर्मा, बादशाह, सिद्धार्थ मल्होत्रा व अनन्या पांडे जैसे अनेक फिल्म व कला जगत से जुड़े लोगों ने बढ़चढ़कर या तो भारी भरकम रकम दान की है या पीड़ितों के लिये राहत शिविर स्थापित किये हैं,एम्बुलेंस दान की हैं अथवा उनके साथ अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसी तरह मदरसा जीनत उलूम,नारायणगढ़ मदरसा जमीयतुल उलूम, मेवात के मुस्लिम समुदाय के लोग व दर्जनों मस्जिदों से राहत भरे ट्रक पंजाब की ओर भेजे जा रहे हैं। ईरान ने भी भारत के पंजाब में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में कहा कि पंजाब में आई बाढ़ से हुए व्यापक नुक़्सान और दर्द को देखकर मन दुखी है। दूतावास ने प्रभावित लोगों और राहत कार्यों में लगे सभी के लिए प्रार्थनाएं कीं तथा भगवान से सभी की रक्षा और आशीर्वाद की कामना की। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की ओर से भी पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की हिफाजत और सलामती के लिए दुआएं भेजी गई हैं। ईरान के इस बयान की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की गयी है। आज पूरे देश के हर वर्ग व हर धर्म का व्यक्ति पंजाब के इन किसानों के साथ इसीलिये खड़ा है क्योंकि गुरुनानक देव जी महाराज द्वारा किये गये 'सच्चा सौदा ' के संस्कारों में परवरिश पाने वाला पंजाब का यह किसान भी बुरे वक़्त में पूरी दुनिया के साथ दुर्गम से दुर्गम परिस्थितियों में भी हमेशा खड़ा दिखाई दिया है। जहां कहीं धर्म देश या जाति देखकर लोगों की सहायता करने वाले संकीर्ण सोच के लोग मुसीबत में खड़े नहीं होते वहीँ पंजाब का यह समुदाय केवल मानवता को मद्देनजर रखकर हमेशा हर जगह हर एक पीड़ित के साथ खड़ा दिखाई दिया है। संकट की इस घड़ी में देश के कारपोरेट घरानों व उद्योगपतियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश के उन बड़े बड़े मठों व धर्मस्थलों को भी मदद के हाथ पंजाब के जल प्रलय प्रभावित लोगों की ओर बढ़ाना चाहिये जिनके भण्डार अकूत सोने चांदी व धन सम्पदा से भरे पड़े हैं। देश के धनाढ्य कथावाचकों व धर्माधिकारियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश की बड़ी दरगाहों व जमाअतों को भी संकट में पंजाब के साथ खड़े होना चाहिये। बेशक प्रकृतिक प्रकोप के चलते दुनिया के इन मददगारों को भी आज वक़्ती तौर पर मदद की दरकार जरूर है परन्तु विश्वास है कि मानवता व भाईचारे की मिसाल पेश करने व संकट में सबके साथ खड़ी नजर आने वाली यह कौम जल्द ही इस संकट से भी उबार जाएगी।

तरक़्क़ी के शहर, अकेलेपन के घर

- डॉ सत्यवान सौरभ

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं।

शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों, विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है।

शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं। यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है।

साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीघाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटर–ये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलभराव के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं।

लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च-आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे-से घेरे में सिमट जाते हैं और अन्य के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है।

सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च-आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे-से घेरे में सिमट जाते हैं और अन्य के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है। शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-थलग पड़ जाते हैं।

शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को भीड़ में अकेलेपन का प्रतीक कहा था।

साथ ही, शहरी जीवन की भीड़-भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पार्किंग विवाद कई बार हिंसा तक पहुँच जाते हैं। वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएँ भी नागरिक जीवन की असुरक्षा को बढ़ाती हैं। पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे साझा सार्वजनिक जीवन घटता जा रहा है। यह कमी सामाजिक पूँजी पर सीधा आघात करती है, क्योंकि खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल ही लोगों के बीच संवाद और सहयोग को जन्म देते हैं।

इस प्रकार, शहरीकरण ने भारत के सामाजिक पूँजी पर दोतरफा असर डाला है। एक ओर इसने शिक्षा, स्वास्थ्य, विविधता और सांस्कृतिक उन्नति के अवसर दिए, तो दूसरी ओर इसने रिश्तों को सतही, अस्थिर और अविश्वासी बना दिया। आर्थिक विकास की गति में हमने भावनात्मक और सामुदायिक जीवन को पीछे छोड़ दिया।

आवश्यक है कि शहरी नियोजन केवल भौतिक ढाँचे तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें मानवीय संबंधों की गरिमा और सामुदायिक जीवन की बहाली को भी स्थान मिले। हमें ऐसे सार्वजनिक स्थल चाहिए जहाँ लोग सहजता से मिल सकें और संवाद कर सकें। आवासीय कल्याण समितियों को केवल प्रशासनिक इकाई न मानकर सामाजिक मेलजोल और सामुदायिक उत्सवों का मंच बनाया जाए। शहरों में त्योहारों, मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोग एक-दूसरे के करीब आ सकें। साथ ही, सस्ते और समावेशी आवास की नीतियाँ तैयार हों, जिससे वर्ग आधारित विभाजन कम हो सके।

भारत का भविष्य निस्संदेह शहरी होगा, परंतु यह भविष्य तभी स्थायी और समृद्ध हो सकता है जब शहरीकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक पूँजी का भी संवाहक बने। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की दौड़ में रिश्तों का ताना-बाना न टूटे। शहर तभी सच्चे अर्थों में प्रगतिशील बनेंगे जब वे न केवल समृद्धि और अवसर देंगे, बल्कि विश्वास, सहयोग और सामूहिक कल्याण की भावना को भी जीवित रखेंगे।

जीवन जीने का सलीका सिखाते हैं शिक्षक

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निमार्ता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी।

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ सर लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के ऑर्डर ऑफ मैरिट तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा टेम्पलटन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महा- दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे। दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। आज हम हर बच्चे को महंगी उत्कृष्ट आधुनिक शिक्षा के जरिये टॉपर बनाकर बड़ा डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनाने का सपना संजोये रहते हैं और भूलते जा रहे हैं कि उसे जीवन की बुलंदियों पर पहुंचाने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनाना भी बेहद जरूरी है और इसके लिए हर बच्चे को नैतिक, भौतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक शिक्षा दिए जाने की भी आवश्यकता है ताकि बच्चे अपने विवेक से बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने और समाज को सही दिशा देने में सक्षम बनें। डा. राधाकृष्णन का मानना था कि यदि सही तरीके से शिक्षा प्रदान की जाए तो समाज की अनेक बुराईयों का समूल नाश किया जा सकता है। एक सभ्य, सुसंस्कारित, सुन्दर एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर डा. राधाकृष्णन के आदर्शों, उनकी शिक्षाओं तथा जीवन मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

– योगेश कुमार गोयल

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हें। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुमार्ना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, 'अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।' ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए. दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में सुजुकी मोटर्स के कार्यक्रम में स्वदेशी की पुरजोर वकालत और उसकी नई व्याख्या से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा, ह्यपैसा किसका लगता है...वो डॉलर है, पाउंड है, वो करंसी काली है, गोरी है, मुझे कोई लेना-देना नहीं है। पैसा किसी का, पसीना हमारा। पैसा कहीं से आए, पसीना यहां का लगे। जहां तक आत्मनिर्भरता की बात है तो तमाम प्रधानमंत्री उसका जिक्र करते रहे हैं। लालबहादुर शास्त्री ने तो अमेरिकी कानून पीएल 480 के तहत आने वाले गेहूं का आयात बंद कर दिया था क्योंकि अमेरिका इससे भारत की विदेश नीति प्रभावित करने की कोशिश में था। अमेरिकी गेहूं का आयात बंद होने से ही हरित क्रांति का रास्ता खुला और देश अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सका। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी स्वावलंबन के इस नारे को आगे बढ़ाया। लेकिन स्वदेशी को आंदोलन बनाने की घोषणा किसी ने नहीं की। वे बदलती दुनिया के साथ कदमताल को जरूरी मानते थे। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की कोशिशें अब भी जारी हैं। लेकिन इसमें सबसे बड़ा रोड़ा भारत की विदेश नीति को पूरी तरह बदलने की ट्रंप की जिद है। कृषि क्षेत्र को ज्यादा से ज्यादा खोलने जैसे मुद्दे भी रुकावट बने हुए हैं। अमेरिका सिर्फ व्यापार नहीं करना चाहता, वह एक ऐसा पार्टनर चाहता है जो उसके सहायक की भूमिका में हो।

पालघर जिला हर क्षेत्र में बनेगा अग्रणी: पालकमंत्री गणेश नाईक

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन आज जिला परिषद, पालघर में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह अभियान 17 सितंबर से 31 दिसंबर तक संपूर्ण जिले में चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

कार्यशाला की अध्यक्षता वन मंत्री तथा पालकमंत्री गणेश नाईक ने की। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, प्रकल्प अधिकारी विशाल खत्री, अपूर्वा बासुर, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, प्रकल्प संचालक डॉ. सातपुते, तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) राजन पाटील विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में गटविकास अधिकारी, ग्रामविकास अधिकारी, सरपंच और उपसरपंचों ने सहभागिता दर्ज कराई। पालकमंत्री गणेश नाईक ने अपने संबोधन में कहा कि पालघर जिला महाराष्ट्र में सर्वांगीण विकास के मामले में पहले स्थान पर होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों में जिले को आगे लाने के लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। राज्य स्तर के सभी पुरस्कार पालघर जिले को ही मिलें, यह मेरी इच्छा है, और इसके लिए सभी को मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। कार्यशाला में लोकाभिमुख सक्षम पंचायतराज, पंचायतों का आर्थिक सशक्तिकरण, मनरेगा व ग्रामविकास योजनाओं की प्रभावी कार्यान्विति तथा नवोन्मेषी उपक्रमों की आवश्यकता पर विस्तार से मार्गदर्शन किया गया। स्वच्छ गांव सुंदर गांव समृद्ध गांव की संकल्पना के तहत विकसित और प्रगतिशील ग्राम पंचायतों का निर्माण करने का आवाहन भी इस अवसर पर किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सभी ग्राम पंचायतों से आह्वान किया कि इस अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लें और पहला पुरस्कार हमारे पालघर जिले को ही दिलाने का प्रयास करें। कार्यशाला में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामपंचायत) राजन पाटील ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामपंचायत विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विसर्जन दिवस पर टायगर ग्रुप द्वारा गणेश भक्तों को नि:शुल्क अल्पोपहार और पानी का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणेश विसर्जन के दिन, टायगर ग्रुप की ओर से सभी गणेश भक्तों के लिए नि:शुल्क नाश्ता और पानी का वितरण किया गया। यह सामाजिक उपक्रम लाल बहादुर शास्त्री मार्ग स्थित सर्वोदय सिग्नल के पास राधा कृष्ण होटल के सामने आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम टायगर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष तानाजी भाऊ जाधव और मुंबई प्रदेश अध्यक्ष पै. संजय भाऊ खंडागळे की प्रेरणा से संपन्न हुआ। टायगर ग्रुप घाटकोपर के राहुल भाऊ पवार के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रमुख रूप से समाजसेविका छायाताई संजय खंडागळे, घाटकोपर तालुका अध्यक्ष प्रशांत शर्मा, समाजसेवक हितेश शेट्टी, नितीन जगताप, विनोद जाधव, मुंबई सरचिटणीस रोमियो राठोड, और टायगर ग्रुप के सक्रिय सदस्य दहिसर के.पी, नीतू, संतोष राठोड़, नितिन गोवर्धन, सोहेल आदि शामिल थे।

बोईसर में धूमधाम से मनाया गया ईद -ऐ मिलाद

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर में मदरसा सय्यदा फातिमा-तुज जहरा लिलबनात में पैगंबर मुहम्मद (स.अ) के जन्मदिवस की खुशी में ईद-ऐ मिलाद धूमधाम से मनाया गया। मदरसे के बच्चों ने कि रत, नात पाक पढकर कार्यक्रम का सुरूवात किया, शिक्षिका अफसाना जहरा द्वारा नबी के जीवन संबंधित तकरीर पेश किया गया। मदरसे के संचालक श्री. खुर्शीद आलम खान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन बच्चों को भी पढ़ने में आर्थिक दिक्कत सामने आती है तो आप बेजिझक मुझसे संपर्क कर सकते हैं, किताब, कलम, गणवेश व जरुरी साहित्य मुफ्त में दिया जाएेगा, हम चाहते हैं, आप बडे होकर आलिम, आलिमा, हाफिज, डाक्टर, इंजिनियर बनें अपने समाज और देश की सेवा करें। वहीं जिन बच्चों ने पढाई व नात, तकरीर में अच्छा प्रदर्शन किया उन्हें मेडल और पुरस्कार देकर संमानित किया गया। सभी बच्चों को बिस्कुट, चाकलेट व अन्य मिष्ठान पदार्थ वितरित किये गऐ। आखिर में सलातो सलाम पढकर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके कमेटी के सभी सदस्य व मदरसे के शिक्षक समसुद्दुहा, अफसाना जहरा, सुफिया अंसारी व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

भिवंडी महानगर पालिका द्वारा मनाई गयी 'राजे उमाजी नाईक' की जयंती

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा द्वारा महान क्रांतिकारी ब्रिटिश हुकूमत की ईंट से ईंट बजाने वाले भारत के शुरूआती स्वतंत्रता सेनानियों में से एक 'राजे उमाजी नाईक' की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गयी । बतादें कि महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के दिनांक 18.02.2025 के परिपत्र के अनुसार भिवंडी मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निदेर्शानुसार मनपा मुख्यालय प्रांगण में तल मजला पर 'राजे उमाजी नाईक' जयंती के अवसर पर मार्केट, लाइसेंस एवं संपत्ति विभाग की विभागाध्यक्ष स्नेहल पुण्यार्थी ने राजे उमाजी नाईक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर भिवंडी मनपा के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि लोग उपस्थित थे।

माहेश्वरी महिला समिति ने शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज के शिक्षकों का किया गया सम्मान

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। 5 सितंबर को पूरे देश में पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा था इसी तरह शुक्रवार को भिवंडी शहर के श्री गोपाल कृष्ण मंदिर हाल में माहेश्वरी महिला समिति द्वारा समाज के शिक्षकों के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बतादें कि माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्ष बबीता द्वारका असावा की संकल्पना से कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के ठाणे जिला अध्यक्ष और स्वयं सिद्धि कालेज के प्राचार्य डा. महेश सोनी, उपाध्यक्ष सीमा डागा, श्री माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष ओम प्रकाश भूतड़ा, सचिव कन्हैयालाल पेड़ीवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में समाज के शिक्षकों को चांदी की सरस्वती प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात उपस्थित महिलाओं ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाओं के साथ आयोजित खेलकूद कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष बबीता असावा के नेतृत्व में सचिव सीमा जागेटिया, दिव्या बजाज, रिया झंवर, मनीषा सिकची, शेफाली हेड़ा, दीपा सारड़ा, सुनीता चांडक, रक्षा करवा, सुधा सारड़ा, शीला डागा, गायत्री तोषनीवाल, जागृति कलंत्री, राजेश्वरी राठी, प्रीति सोमानी, सुनीता सोमानी का अथक प्रयास रहा है।

शुभ्रांशु दीक्षित भाजपा उत्तर मध्य मुंबई जिला के महामंत्री नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पश्चिम के असल्फा गांव के जाने माने समाजसेवक और समाज के हर वर्ग में गहरी पैठ बना चुके युवा हर दिल अजीज नेता शुभ्रांशु दीक्षित को हॉल ही में भारतीय जनता पार्टी उत्तर मध्य मुंबई जिला का नया महामंत्री नियुक्त किया है। पार्टी की ओर से शुक्रवार को इसकी औपचारिक घोषणा की गई। बता दें कि शुभ्रांशु दीक्षित काफी समय से भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं। मृदुभाषी , मिलनसार, ईमानदारी के प्रतीक शुभ्रांशु दीक्षित की युवाओं में मजबूत पकड़ मानी जाती है। वह सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा समय समय पर मुफ़्त चिकित्सा शिविर, स्कूली बच्चों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण भी करवाते रहते हैं। चांदीवली विधानसभा में उत्तर भारतीय समाज में उनकी गहरी पैठ है। वे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी को बढ़ाने के लिए जी जान से जुटे हुए हैं। शुभ्रांशु दीक्षित को उत्तर मध्य मुंबई जिला का महामंत्री बनाए जाने पर उत्तर भारतीय समाज में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

केसीएन क्लब की ओर से शिक्षक दिवस पर 12 विशिष्ट शिक्षकों को मिला महाराष्ट्र शिक्षक गौरव सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड़ क्लब केसीएन क्लब द्वारा शिक्षा को विशेष महत्व देने के लिए शिक्षक दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के विशिष्ट शिक्षको को महाराष्ट्र विशिष्ट शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि पत्रकार सम्पत उजाला ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में चिकित्सक साहित्यकार कुमार कलहंस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निर्झरिणी के जिलाध्यक्ष नवरत्न मिश्र अर्पित ने किया। कार्यक्रम में जिला परिषद हिंदी विद्यालय धनानी नगर के शिक्षक निलेश सिंह, श्री साईं ज्ञान मंदिर हाईस्कूल शिवाजीनगर की शिक्षिका संध्या राजीव त्रिपाठी, आशादीप विद्यामंदिर हाईस्कूल, धनानी नगर के प्रधानाध्यापक हरिओम शरण मिश्र, शिक्षक शिव प्रताप बी मिश्र, शिक्षिका जया शरद कुरकुटे, तारापुर भाभा एटॉमिक रिर्सच सेंटर, विद्यालय की पूर्व शिक्षिका अश्विनी एन जोशी तारापुर विद्या मंदिर,बोईसर की पूर्व प्रधानाचार्य मनीषा विलास पिम्पले, दिपार्द हिन्दी हाईस्कूल के शिक्षक सुजीत यादव, यशराज हाईस्कूल बोईसर के शिक्षक परशुराम यादव, श्री अनिरुद्ध इंग्लिश हाईस्कूल गणेश नगर के शिक्षक अनिल चौधरी, बोईसर मिलिट्री स्कूल, पास्थल के शिक्षक लक्ष्मीकांत मिश्र, रघुवीर विद्यालय, यादव नगर के शिक्षक क्षमानाथ विश्वनाथ पाल को महाराष्ट्र विशिष्ट शिक्षक गौरव सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल, तिरंगा पट्टा, पुस्तक, कलम भेंट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संगठन की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी की 140 मासिक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें कवि सम्पत उजाला ने धुंधलेपन में जो सफर रोशन करावे वो हे शिक्षक। अंकिचन को जो कांचन बनाते हे वो हे शिक्षक।, कवि कुमार कलहंस ने हर तरफ उसके ही चेहरे दिख रहे हैं क्या करूं। हर तरफ उसके ही मोहरे दिख रहे हैं क्या करूं। कवि बसन्त चौहान ने शिक्षक दिवस पर वंदन है शिक्षक समाज को, बिना गुरु के ज्ञान का गौरव नही मिलता, कवि नवरत्न मिश्रा₹अर्पित₹ ने कलेजा फट के रह जायेगा जब अंजाम देखोगे, मुझे गुमनाम करनें वालों मेरा नाम देखोगे। सहित दुष्यंत सिंह, शेखर तिवारी, वरुण मिश्र , के.के. श्रीवास्तव सहित कवियों ने अपनी बेहतरीन रचनाओं से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में राजीव त्रिपाठी, डॉ सत्येंद्र यादव, अभिजीत जोशी, बाबा गिरी , राकेश आचार्य, यजुर्वेद सावे, सुनील पाटिल, शोभनाथ त्रिपाठी , संगीता जायसवाल सहित अन्य अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गणेश विसर्जन पर भक्तों के लिए संजय सिंह ने की उत्तम व्यवस्था

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी अनंत चतुर्दशी को गणपति बाप्पा की विदाई बेला पर उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह के कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व में पवई तलाब के लिए जाने वाले गणेश भक्तों के लिए खाद्य पदार्थ, पेयजल, सहायता केंद्र से जुड़ा भव्य कार्यक्रम पवई प्लाजा, तनिष्क ज्वेलर्स पवई में सेवा मंच स्थापित किया गया। भारी संख्या में भक्तगणों ने सुविधा का लाभ उठाया। स्वर्गीय आर. एन. सिंह की प्रतिमा को पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथी संतोष आर.एन. सिंह ने उपस्थि गणेश भक्तों का आभार व्यक्त कर खाद्य पदार्थ वितरण किया। अन्य विशेष अतिथी मनोज कोटक (पूर्व सांसद) पूनम महाजन (पूर्व सांसद) अमरजीत सिंह (मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष) जयप्रकाश सिंह (शिवसेना नेता) बृजमोहन पांडे (वरिष्ठ पत्रकार) राजेश सिंह (राष्ट्रीय प्रवक्ता उत्तर भारतीय सभा) विनोद मिश्रा, गीता संजय सिंह, ध्रुव पांडे, विपिन सिंह, जितेंद्र सिंह, रणधीर सिंह, पोपट तिवारी, रोहित उपाध्याय, प्रदीप गुप्ता, जसवंत यादव, यश गुप्ता, जयशंकर सिंह, सुरेंद्र गिरी, ओमप्रकाश जायसवाल, आनंद अग्रहरि, अंतेश सिंह, संजु सिंह, विशाल सिंह, चंदन सिंह, अंकिता सिंह, नीतू सिंह, करन सिंह, अर्जुन सिंह, रिया सिंह कृष सिंह , सोनल सिंह , आरव सिंह, कैप्टन विशाल सिंह, सुरभि सिंह, सीडी सिंह, आईपी पांडे पूनम सिंह व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। सभी अतिथीगण ने सेवा कार्य हेतु गणेश भक्तों को खाद्य पदार्थ वितरित किया। संजय सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सेवा मंच स्थापित कर सेवा कार्य से मन में असीम शांति उर्जा मिलती है। मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। मेरे जीवन का संकल्प है, जीवन के अंतिम समय तक सामाजिक सेवा मानव सेवा करता रहूंगा। उन्होंने उत्तर भारतीय संघ के सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला और संघ के सदस्य बनने के लिए आव्हान किया। संजय सिंह ने उपस्थित सभी अतिथियों का गणेश नामी दुपट्टा देकर स्वागत किया व सभी गणेश भक्तों का आभार व्यक्त किया।

गणपति बप्पा मोरया के उदघोष के साथ अनंत चतुर्दशी पर गणराया को दी गई भावपूर्ण विदाई

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, गणेश चतुर्थी तिथि के पावन अवसर पर पालघर जिले के साथ ही साथ पुरे महाराष्ट्र में बने भव्य पंडालों व घरों में दुःखहर्ता, सुखकर्ता, विघ्नेश्वर भगवान श्री गणेश जी का आगमन होने के पश्चात ठीक 11वें दिन शनिवार 6 सितंबर 2025 भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष के अनंत चतुर्दशी तिथि पर गणपति बप्पा की विदाई ढोल, ताशा, घंटाल, गाजे बाजे के साथ बड़े धूमधाम की गई। इस पावन अवसर पर पालघर जिले के बोईसर शहर में भी बप्पा की विदाई के लिए गणेश भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जहां गणेश भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पालघर पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख अपने मातहत अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। वहीं यातायात पुलिस टीम भी यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगी रही। इस पावन अवसर पर सार्वजनिक गणेश पंडालों में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल बोईसर बोईसर चा राजा, एमआईडीसी का महाराजा, केमलिन चौराहा, तारापुर औद्योगिक क्षेत्र, पंचतत्व सेवा संस्था अवधनगर बोईसर, युवा सार्वजनिक गणेशोत्सव मित्र मंडल बंजारी समाज का महाराजा, संजय नगर बोईसर, श्री सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल बोईसर का सुखकर्ता संजय नगर, शिवसेना प्रणित जय महाराष्ट्र रिक्शा टैक्सी टैंपो चालक मालक संघटना गणेशोत्सव मंडल बोईसर शहर, पालघर जिल्हा ऑटो रिक्शा टैक्सी चालक मालक संघटना बोईसर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल बोईसर, बाल गोपाल मित्र मंडल भंडार वाडया चा सम्राट, बाल गोपाल मित्र मंडल बोईसर काटकरपाडा, युवा मित्र महिला मंडल चा महाराजा गणेश नगर बोईसर, शिवतेज मित्र मंडल का महाराजा धर्मनगरी आजाद नगर बोईसर, युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित युवा सर्व सहयोगी मित्र मंडल महाराष्ट्र का महाराजा यादव नगर बोईसर इत्यादि गणेशोत्सव मंडलों की ओर से श्री गजानन जी महाराज का पूजन अर्चन करने के पश्चात महाआरती कर ढोल, ताशा, घंटाल, गाजे-बाजे के साथ, गणपति बप्पा मोरया।

अगले बरस तू जल्दी आ।। का उदघोष करते बप्पा की विदाई की गई।इस दौरान भारी बारिश के बावजूद पूरे बोईसर शहर में सड़क किनारे भक्तों की भारी भीड़ गणपति बप्पा के अंतिम दर्शन के लिए देर रात तक टकटकी बांधे खड़ी रही।

अनुश्री फाउंडेशन द्वारा शिक्षक दिवस पर जरूरतमंदों को मिला शिक्षा व रोजगार का संबल

पालघर(उत्तरशक्ति)। अनुश्री फाउंडेशन ने शिक्षक दिवस को समाजसेवा से जोड़ते हुए 6 सितंबर को अपने कार्यालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर जरूरतमंद बच्चों को अल्पाहार के साथ ही साथ पढ़ाई में सहयोगस्वरूप 50 बच्चों को नोटबुक वितरित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टेप्स नंबर 3 स्कूल के प्रिंसिपल आशीष मिश्रा, वाइस प्रिंसिपल वैदेही सोनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर प्रतीक पाठक तथा सोशल सर्विस फेडरेशन की सदस्या स्मिता संखे उपस्थित रहीं। संस्था के जिला अध्यक्ष सुभाष पाण्डेय ने अतिथियों का शाल व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। पुष्पा तिवारी ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर 50 से अधिक महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। महिलाओं को नाश्ता वितरित किया गया और उन्हें शिक्षा तथा रोजगार के महत्व से अवगत कराया गया। इस मौके पर अनुश्री फाउंडेशन की ओर से घोषणा की गई कि पढ़ाई जारी रखना चाहने वाले वयस्कों को संस्था निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराएगी तथा पांचवीं कक्षा तक की पढ़ाई कराकर प्रमाणपत्र भी देगी। संस्था पेंसिल, रबर, नोटबुक सहित संपूर्ण खर्च वहन करेगी। महिलाओं के आत्मनिर्भरता की दिशा में संस्था ने सिलाई प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। पुष्पा तिवारी ने कहा कि शिक्षा और रोजगार से ही महिलाओं का सशक्तिकरण संभव है। वहीं, यूनियन बैंक के मैनेजर प्रतीक पाठक ने बैंकिंग जागरूकता पर प्रकाश डालते हुए सभी से ईमानदारी और सहयोग की शपथ दिलाई।

हर्षोल्लाश से गणपति बप्पा की 2481 गणेश प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

159 गणेश प्रतिमाएँ कृत्रिम तालाब में की गयी विसर्जित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते हुये प्रिय गणपति बप्पा को बड़े हर्षोल्लास के साथ 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरष तू जल्दी आ' के नारों के साथ नम आंखों से विदाई दी गई। बतादें कि भिवंडी महानगर पालिका ने कामवारी नदी, वडालदेवी तालाव, भादवड़ तालाब और नारपोली तालाबों के साथ दस कृत्रिम तालाबों सहित विसर्जन की व्यापक व्यवस्था की थी। मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने स्वयं शाम को सभी विसर्जन स्थलों का दौरा किया और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महानगर पालिका ने विसर्जन स्थलों पर जीवन रक्षक दल, अग्निशमन दल, आपात कालीन व्यवस्था, स्वच्छता और स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा दल तैनात करने के साथ नागरिकों के लिए पेयजल की भी व्यवस्था की गई थी। मनपा प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक गणेश भक्तों से कृत्रिम तालाब में गणेश विसर्जन करने की अपील के बाद शाम 4 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज चौक स्थित कृत्रिम तालाब में गणेश विसर्जन समारोह का उद्घाटन किया गया। जिसके बाद देर रात तक चले विसर्जन समारोह में 2094 घरेलू और 387 सार्वजनिक, कुल 2481 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इसमें कृत्रिम तालाब में विसर्जित 159 गणेश प्रतिमाएं शामिल हैं। गणेश विसर्जन मार्ग पर विसर्जन जुलूस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के नेतृत्व में पूरे शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इसके लिए शहर में 20 ड्रोन कैमरों और 800 सीसीटीवी की मदद ली गई थी। सुरक्षा के लिए राज्य रिजर्व बल की इकाइयों के साथ 927 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए थे। पिछली बार विसर्जन जुलूस के दौरान कथित पथराव के कारण बड़ा विवाद खड़ा हो गया था जिसे देखते हुए पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने किसी अप्रिय घटना को टालने के लिये दोपहर 2 बजे से संवेदनशील इलाकों सहित विसर्जन मार्ग के सभी होटल, रेस्तरां और दुकानों को बंद करा दिया गया ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

रोडवेज बस चालक को दबंगों ने मारपीट कर किया लहूलुहान

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।एक रोडवेज चालक को दबंगों ने बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित द्वारा पुलिस बुलाने पर मौके से फरार हो गए दबंग। जानकारी के अनुसार जफराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम नेवादा निवासी वीरेंद्र कुमार यादव पुत्र जोखू यादव उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग में चालक के पद पर तैनात हैं। शनिवार की सुबह वीरेंद्र यादव अपने रोडवेज बस पर सवारी लेकर शाहगंज आरहे थे। आरोप है की कोतवाली क्षेत्र के सबरहद के पास आधा दर्जन से अधिक की

पीड़ित ने आधा दर्जन दबंगों के खिलाफ पुलिस को दिया लिखित तहरीर

संख्या में मोटरसाइकिल सवार दबंगों ने गालियां देते हुए बस रोकने को कहा।बस न रोकने पर उक्त सभी दबंग बस डिपो पहुंचे और सभी एक जुट होकर लाठी डंडे से बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया।पीड़ित द्वारा डायल 112 पर फोन करने पर पहुंची पुलिस को देख कर सभी दबंग भाग गए। फिलहाल पीड़ित चालक ने कोतवाली पुलिस को क्षेत्र के मोलनापुर निवासी आधा दर्जन दबंगों के खिलाफ नामजद लिखित तहरीर देते हुए कड़ी कार्यवाई की मांग की।

जौनपुर में विषैले जंतु के काटने से दादी और पोती की हुई मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिले के मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के अहमदपुर गांव में विषधर के काटने से दादी-पोती की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को 62 वर्षीय मैना देवी पत्नी राजनाथ और पोती चारपाई पर सो रही थीं। दोनों को किसी विषैले जंतु शायद जहरीले सांप ने काट लिया। पोती की मौत जौनपुर ले जाते समय रास्ते में ही हो गई जबकि मैना देवी को परिजन जौनपुर जिला अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार रात करीब 9 बजे मैना देवी ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक ही परिवार में दो

मौतों से गांव में कोहराम मचा हुआ है। सूचना मिलते ही मड़ियाहूं थाने की पुलिस मौके पर पहुंची गई और शवों को कब्जे में ले लिया। एक साथ दादी पोती की मौत से गांव में कोहराम मच गया। परिजन का रो रोकर बुरा हाल है।

चंद्र ग्रहण की छाया में काशी, बदली परंपरा पर आस्था अडिग

34 साल बाद अद्भुत नजारा चंद्र ग्रहण के कारण काशी में दोपहर की गंगा आरती

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में चंद्र ग्रहण के कारण रविवार को धार्मिक आयोजन पर

खासकर असर पड़ा शाम में होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती इस बार दोपहर 12:00 बजे घाट पर गंगा सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया। सूतक काल शुरू होने के चलते समय से पहले संपन्न कर दी गई। गंगा में इस बार सीजन की तीसरी बार आई भारी बाढ़ के कारण आरती स्थल बदलना पड़ा और वही श्रद्धालु आरती देखने पहुंचे। गंगा के रौद्र रूप को देखकर दूर से ही नमन कर लौट गए। दशाश्वमेध घाट पर जैसे ही दोपहर 12:00 बजे बटुकों ने मंत्रोच्चार के बीच गंगा आरती शुरू की, वैसे ही समय पर आरती पूरा करने का दबाव भी था इसके बावजूद वैदिक रीति से समय पर आरती संपन्न हुई। इधर शहर के प्रमुख मंदिरों में भी सूतक काल का असर दिखा काशी विश्वनाथ का पाठ 7:30 बजे बंद कर दिया जाएगा। वही अन्नपूर्णा मंदिर के पाठ भी 7:30 बजे बंद हो गए,संकट मोचन मंदिर, दुर्गाकुंड स्थित कुष्मांडा मंदिर, गौरी केदारेश्वर मंदिर दोपहर में भी बंद कर दिए गए जो अगले दिन भोर में तय समय पर खुलेंगे।

दारोगा ने पंखे से लटक कर लगाई फांसी, हुई मौत

मिर्जापुर(उत्तरशक्ति)।चील्ह थाने में तैनात दारोगा अनिल कुमार ओझा ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक समेत आला-अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच में जुट गई है जानकारी के मुताबिक, चील्ह थाने में तैनात दरोगा अनिल कुमार ओझा (58) कुछ दूर पर किराए के कमरे में रहते थे। दारोगा का शव उनके कमरे में शनिवार को पड़ा मिला।

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद मकान को सीज कर दिया गया है। अनिल कुमार ओझा की तैनाती 21 अगस्त 2024 से चील्ह थाने में हुई थी।विभागीय लोगों की मानें तो वह डिप्रेशन में रहते थे। चील्ह थाने में उनका स्थानांतरण भदोही से किया गया था। पिछले दिनों विभागीय तबादला के दौरान इन्हें चील्ह से देहात कोतवाली स्थानांतरित किया गया है। प्रतापगढ़ के रहने वाले अनिल कुमार के 1987 में पुलिस में भर्ती हुए थे। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने प्रथम तल पर रहने वाले दरोगा के कमरे का निरीक्षण किया। अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह ने बताया कि प्रतापगढ़ के मूलतः निवासी अनिल ओझा ने सुसाइड कर लिया। उनके बेटे मौके पर आ गए हैं, पंचनामा भर कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि मानसिक रूप से कुछ बीमार चल रहे थे। जिनका इलाज करीब 5 वर्षों से डॉ. संजय गुप्ता से चल रहा था। यह 1987 बैच के अधिकारी थे,फिलहाल घटना की जांच की जा रही है।

10 सितंबर को डेढ़ घंटे काशी में रहेंगे प्रधानमंत्री मोदी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 सितंबर को काशी आएंगे और डेढ़ घंटे तक रहेंगे। प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री का विमान लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पर उतरेगा। फिर प्रधानमंत्री हेलिकॉप्टर से पुलिस लाइन आएंगे। पुलिस लाइन से सड़क मार्ग के जरिये होटल ताज जाएंगे। पुलिस लाइन से होटल ताज के बीच भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होटल में ही

मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। साथ में लंच करेंगे, फिर रवाना हो जाएंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री का दौरा 10 और 11 सितंबर का है। मॉरीशस के पीएम की अगवानी यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मॉरीशस के पीएम क्रूज से गंगा आरती देखेंगे। श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, शादी को ढाई महीने ही हुए थे पूरे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के सरैया गांव की दलित बस्ती में शुक्रवार की रात एक 23 वर्षीय नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। गांव निवासी अभिषेक कुमार की पत्नी संजना देवी घर पर अकेली थी। पति अभिषेक और उसका भाई रोजगार के लिए करीब डेढ़ माह पहले अहमदाबाद गए हुए हैं। घटना के समय सास संगीता देवी भी मायके गई हुई थी। बताया गया कि देर रात संगीता देवी ने कई बार बहू संजना को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर वह मायके के एक युवक के साथ घर पहुंची। दरवाजा बंद मिलने पर जबरन खोला गया तो संजना फांसी के फंदे पर झूलती मिली। सूचना पर थानाध्यक्ष रमेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान सीओ सिटी देवेश सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि मृतका के मायके पक्ष से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। ज्ञात हो कि मृतका का मायका गौराबादशाहपुर के तरसन्ड गांव में है। उसकी शादी 18 जून 2025 को हुई थी।

सोनभद्र स्टेशन पर कोयला लदी मालगाड़ी में आग लगी, स्टेशन मास्टर की सतर्कता से टली दुर्घटना

दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

डॉ.सुनील कुमार मिश्रा

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सोनभद्र रेलवे स्टेशन पर शक्तिनगर से तुगलकाबाद जा रही कोयला लदी मालगाड़ी में आग लगने से अफरा-

तफरी मच गई। मालगाड़ी संख्या पीके जीडी सुबह 10:30 बजे सोनभद्र रेलवे स्टेशन पहुंची थी। सिग्नल न मिलने के कारण मालगाड़ी को क्रॉसिंग के लिए स्टेशन पर रोका गया था। करीब 11:30 बजे लोको पायलट ने देखा कि एक बोगी में लदे कोयले से धुआं निकल रहा है। उन्होंने तुरंत स्टेशन मास्टर को इसकी सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने बिना समय गंवाए दमकल विभाग को सूचित किया। दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने के बाद मालगाड़ी को उसके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। स्टेशन मास्टर की सतर्कता और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

सिंगरामऊ पुलिस ने धोखाधड़ी के अभियोग में वांछित दो आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक, सै0 हुसैन मुन्तजर के नेतृत्व में थाना सिंगरामऊ पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 07.09.25 मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान वांछित आरोपीगण छट्ठूलाल गुप्ता पुत्र कालीचरण गुप्ता, बृजेश पुत्र अच्छेलाल

निवासीगण कछोरा थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0सं0 57/25 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 352, 351(2), 61(2) बीएनएस को भिन्न-भिन्न स्थान से गिरफ्तार किया गया। आरोपीगण को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खेतासराय पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा

आज दिनांक 07.09.2025 को वसूली वारण्ट से सम्बन्धित वारण्टी आरोपी मनीष शाहू पुत्र स्व0 भानू प्रसाद निवासी वार्ड न0-11 खेतासराय थाना खेतासराय जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0न0 166/2023 धारा 128 सीआरपीसी बबीता बनाम मनीष मा0 न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय- कोर्ट न0-1 आजमगढ़ को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

सिकरारा पुलिस गुमशुदा मोबाइल को बरामद कर स्वामी को किया गया सुपुर्द

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा C.E.I.R. पोर्टल के माध्यम से गुमशुदा मोबाइल को बरामद कर मोबाइल स्वामी को

किया गया सुपुर्द, प्र0नि0 सिकरार, उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा मोबाइल को C.E.I.R. पोर्टल के माध्यम से बरामद कर मोबाईल स्वामी शिवपूजन विश्वकर्मा पुत्र स्व0 रामलखन विश्वकर्मा निवासी ग्राम बढ़ौली नोनियान थाना सिकरारा जनपद जौनपुर को सुपुर्द किया गया। गुमशुदा मोबाइल फोन को पाकर मोबाइल स्वामी द्वारा पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया गया। बरामदगी एक मोबाइल रियल मी नार्जो एन 53।

रा.नौ. सभा का सदस्यता अभियान लगातार जारी

पौधारोपण के बाद शुरू हुआ सदस्यता अभियान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के कबूलपुर ग्राम में शनिवार को राष्ट्र वादी नौजवान सभा के तत्वावधान में राजू निषाद की देख रेख में सदस्यता अभियान की शुरूआत सर्वप्रथम पौधारोपण के पश्चात हुई जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्वादी नौजवान सभा एक संगठन के अतिरिक्त विचारधारा भी है जिसके विस्तार के लिए सदस्यता अभियान चलाया गया है। विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष रनदीप सिंह ने कहा राष्ट्र के प्रति सभी को सचेत रहने और राष्ट्र के प्रति सभी का समर्पण, त्याग और बलिदान की आवश्यकता हो तो तैयार रहें वहीं प्रबन्धक प्रमोद शुक्ला, प्रभारी पिंकू सिंह समेत अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इसके पूर्व अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तत्पश्चात लगभग ढाई सौ लोगों से अधिक को सदस्यता दिलाई गई। इसके पश्चात वहाँ पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रधान राजेश निषाद, विषय कुमार, जोगेंद्र निषाद, जेपी निषाद, मंजेश निषाद, किशन कुमार, राम आसरे शुक्ला, अजाज अहमद, रामा सरोज, श्रीकांत यादव आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

आजमगढ़ में 21.6 लीटर अवैध विदेशी शराब और नकदी के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आबकारी विभाग और थाना कंधरापुर की संयुक्त टीम ने आजमपुर स्थित एक कम्पोजिट शराब की दुकान पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 21.6 लीटर अवैध विदेशी शराब, 7700 रुपये नकद और दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। आबकारी निरीक्षक प्रभु नरायण सिंह के नेतृत्व में 06 सितंबर को जुनैदगंज चौराहे पर मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई शुरू की गई। सूचना मिली थी कि आजमपुर कम्पोजिट दुकान में तनुकरण (पानी मिलाकर) और पिछले वर्ष की बिक्री हेतु अनुमन्य शराब की अवैध बिक्री हो रही है। टीम ने तत्काल दुकान पर छापा मारा। जहां दो विक्रेता शशिकांत यादव उर्फ जगनू (40 वर्ष) और राजेंद्र पाल (52 वर्ष) मौजूद थे। दुकान की जांच में लकड़ी के तख्ते के नीचे छिपाई गई तीन पेटियों में कुल 120 पौवे अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। जिसमें 15 पौवे आइकोनिक व्हाइट ग्रेन व्हिस्की, 35 पौवे सिग्नेचर प्रीमियर, 39 पौवे रॉयल स्टैग, और 31 पौवे मैकडॉवेल नम्बर एक शामिल थे। प्रत्येक पौवे की धारिता 180 मिलीलीटर थी। जांच में पाया गया कि आइकोनिक व्हाइट ग्रेन व्हिस्की की तीव्रता 42.8% के बजाय 35.13% थी, जो तनुकरण का प्रमाण है। साथ ही, अन्य पेटियों में रखी शराब 2024-25 की थी, जो वर्तमान वर्ष में बिक्री के लिए अनुमन्य नहीं थी। विक्रेताओं ने पूछताछ में स्वीकार किया कि दुकान के अनुज्ञापी रुदल यादव के निर्देश पर वे शराब में पानी मिलाकर और पुरानी शराब बेचकर लाभ कमाते थे। दुकान के काउंटर से 7700 रुपये नकद भी बरामद किए गए। दोनों अभियुक्तों को धारा 60/64 संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम 1910 और धारा 274/318 बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में आबकारी निरीक्षक प्रभु नरायण सिंह, प्रभारी आबकारी सिपाही श्रवण कुमार यादव, राजेश कुमार

गौतम, धीरज कुमार सिंह और थाना कंधरापुर के सिपाही विनय कुमार शामिल थे। वैध शराब के स्टॉक को जब्त नहीं किया गया, और दुकान को बंद कर चाबी विक्रेताओं को सौंप दी गई। कार्यवाही के दौरान सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। गिरफ्तार आरोपी में शशिकांत यादव उर्फ जगनू, पुत्र धरमदेव यादव, निवासी खानपुर भगतपट्टी, थाना बिलरियागंज, राजेंद्र पाल, पुत्र नरेश पाल, निवासी बिजरवा, थाना मुबारकपुर, शामिल हैं।

वाराणसी पुलिस सबसे एक्टिव, खोई हुई स्कूटर को दो घंटे में किया बरामद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर खोजवां में शनिवार शाम को अवधेश कुमार सिंह पिता राज बहादुर ग्राम अमनी थाना मिजापुर के रहने वाले है शनिवार शाम को सब्जी लेने के लिए 8:30 बजे सुंदरपुर सब्जी मंडी के पास गाड़ी एक्टिवा खड़ी कर सब्जी लेने चले गए। पुनः सब्जी लेकर वापस लौटे तो देखा गाड़ी वहां नहीं थी उन्होंने अपने गाड़ी ढूंढने का काफी प्रयास किया। लेकिन गाड़ी नहीं मिली तुरंत नजदीकी चौकी खोजवा पुलिस चौकी पहुंच कर प्रार्थना दिया जिसके पश्चात चौकी इंचार्ज पीयूष कुमार उ0नि0 विनय यादव,

फैंटम 37 के कर्मचारी आलोक रंजन, राम लखन विश्वकर्मा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए। गाड़ी को दो घंटे के अंदर सकुशल बरामद किया तथा उपरोक्त वाहन स्वामी को सुपुर्द किया गया।

सहपाठियों की मारपीट के खौफ से छात्र ने स्कूल जाना किया बंद

पिता ने थाने में दिया लिखित में प्रार्थना पत्र, लगाई सुरक्षा की गुहार

बरसठी,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के मगरमू गांव निवासी अधिवक्ता विमल शुक्ल और उनके पुत्र पर सहपाठियों व उनके साथियों द्वारा दबंगई और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बरसठी थाने में लिखित तहरीर देकर बेटे की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़ित अधिवक्ता विमल शुक्ल ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनका पुत्र रौनक शुक्ला टी.डी. सिंह इंटर कॉलेज निगोह में पढ़ाई करता है। बीते दिनों चारझापांच सहपाठी उसे रास्ते में रोककर मारपीट करने और धमकाने लगे थे। बुधवार की शाम रौनक गांव के समीप निगोह स्थित एक तेरहवीं कार्यक्रम में गया, जहां आरोपितों ने मारपीट की योजना बनाई। इसकी भनक लगते ही पिता विमल शुक्ल मौके पर पहुंचे और विवाद को शांत कराते हुए पुत्र को सुरक्षित घर भेज दिया।

सांप के काटने से महिला की मौत

आफताब आलम, मानीकलां, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के समदहा निवासी द्रौपदी पत्नी साहब लाल (55) की शनिवार की रात लगभग 11 बजे सांप के डसने से मौत हो गई। अचानक महिला की मौत होने से परिजनों का रो- रो कर बुरा हाल हो गया। साहब लाल ने बताया कि उनकी पत्नी कमरे में सो रही थी। रात करीब 11 बजे अचानक सांप ने द्रौपदी के हाथ में डस लिया चीख सुनकर घर वालों की आंख खुल गई। द्रौपदी को जौनपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित कर दिया।

मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण पर इलाहाबाद हाई कोर्ट का नया फैसला

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। भारतीय संविधान में शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। सामाजिक और ऐतिहासिक विषमताओं को दूर करने के लिए आरक्षण को एक औजार के रूप में अपनाया गया। इसी संदर्भ बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक ऐसा आदेश दिया है, जिस पर विमर्श जरूरी है। कोर्ट ने साफ कहा है कि उत्तर प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अनुसूचित जाति वर्ग को 21 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता। गौरतलब है कि इससे पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ ने आदेश दिया था कि कुछ मेडिकल कॉलेजों में अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों को 70 प्रतिशत तक आरक्षण का लाभ मिले। इस आदेश को राज्य सरकार ने चुनौती दी और मामला डिवीजन बेंच तक पहुंचा। डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार के पक्ष को मानते हुए कहा कि आरक्षण की सीमा तय है और इससे अधिक की अनुमति नहीं दी जा सकती। हालांकि, जिन छात्रों का प्रवेश पहले से हो चुका है, उनका एडमिशन सुरक्षित रहेगा। आगे की काउंसलिंग में यही सीमा लागू होगी। वर्तमान में मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण की स्थिति पर बात करें तो ऑल इंडिया कोटा (15 प्रतिशत सीटें) में अनुसूचित जाति को 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 7.5 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग (केंद्रीय सूची) को 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। उत्तर प्रदेश के राज्य कोटे (85 प्रतिशत सीटें) में अनुसूचित जाति को 21 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत और एहर को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। यदि जनसंख्या और आरक्षण की तुलना करें तो तस्वीर और साफ होती है। देश में अनुसूचित जाति की आबादी लगभग 16.6 प्रतिशत है जबकि उत्तर प्रदेश में यह 21 प्रतिशत है। अन्य पिछड़े वर्ग की संख्या 40 से 45 प्रतिशत के बीच आँकी जाती है। इसके विपरीत, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), जो उच्च जातियों का गरीब वर्ग है, उसकी वास्तविक जनसंख्या 10 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन उन्हें 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया गया है। इस दृष्टि से देखें तो बहुजन समाज (एससी, एसटी, ओबीसी) कुल आबादी का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखते हुए भी आरक्षण की सीमा से बंधा हुआ है, जबकि एक विशेष समाज को उनकी संख्या से अधिक लाभ उपलब्ध है। सामाजिक न्याय की दृष्टि से यह सवाल अहम है कि क्या आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था वास्तव में समान अवसर उपलब्ध कराती है? मेडिकल जैसी प्रोफेशनल शिक्षा ग्रामीण और वंचित वर्ग के लिए पहले से ही कठिन है। कोचिंग, अंग्रेजी माध्यम और आर्थिक दबाव जैसी चुनौतियाँ पिछड़े और दलित छात्रों को और पीछे धकेलती हैं। ऐसे में 21 प्रतिशत की सीमा कानूनी रूप से उचित भले लगे, लेकिन वास्तविक समानता के लक्ष्य तक पहुँचने में बाधक है।

इस आदेशित दृष्टिकोण से यह साफ है कि आरक्षण केवल सीटों का बँटवारा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व और बराबरी का सवाल है। सुप्रीम कोर्ट ने 1992 में इंद्रा साहनी मामले में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय की थी, किंतु सामाजिक न्याय की दृष्टि से यह सीमा मनमानी प्रतीत होती है। जब असमानता 70 प्रतिशत से अधिक आबादी को झेलनी पड़ रही है तो प्रतिनिधित्व की सीमा भी उसी अनुपात में होनी चाहिए। इस प्रकार इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश कानूनी रूप से व्यवस्था संचालन की दो बात करता है, लेकिन सामाजिक न्याय का सवाल अधूरा छोड़ देता है। यदि वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करना है तो शिक्षा और रोजगार में बड़ी आबादी की वास्तविक हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी होगी। आरक्षण की नीतियों की समीक्षा जनसंख्या और पिछड़ेपन के वास्तविक आँकड़ों के आधार पर की जानी चाहिए, तभी सामाजिक न्याय का सपना साकार हो सकेगा।

मड़ियाहूं तहसील के एसडीएम ने ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज की 100 मीटर दौड़ में मारी बाजी

प्रदेश व जनपद का नाम किया रोशन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के मड़ियाहूं तहसील के उपजिलाधिकारी एसडीएम सुनील कुमार भारती ने खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए प्रदेश ही नहीं बल्कि जनपद का नाम भी रोशन किया है। वाराणसी के संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज एथलेटिक्स प्रतियोगिता की 100 मीटर दौड़ में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक संख्या में सिविल सर्विसेज के अधिकारी उतरे थे। लेकिन एसडीएम भारती ने अपनी गति और तकनीकी कौशल से सबको पीछे छोड़ते हुए फिनिश लाइन सबसे पहले पार की। उनकी इस

उपलब्धि पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बधाई देते हुए कहा कि एसडीएम सुनील कुमार भारती की यह उपलब्धि न सिर्फ जौनपुर के लिए गर्व की बात है। उनका प्रदर्शन प्रशासनिक सेवा के साथ-साथ खेलों में भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। बताया जा रहा है कि यह दौड़ स्टेट ट्रायल थी। जिसमें जीत दर्ज कर एसडीएम भारती का नेशनल स्तर के लिए चयन हो गया है। अब वे आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाली नेशनल प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। जौनपुर के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है कि एक प्रशासनिक अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

जिले में आयोजित PET-2025 परीक्षा की प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान कुल 12165 अभ्यर्थी उपस्थित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2025 को नकलविहीन, और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु जिलाधिकारी डा० दिनेश चंद्र के द्वारा बी०आर०पी० इंटर कालेज का औचक निरीक्षण किया गया। परीक्षा केंद्र पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के संदर्भ में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हुए। परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय पाए गए। उन्होंने केंद्राध्यक्ष को निर्देशित किया कि सुनिश्चित कर ले कि अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या का सामना न करना पड़े। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर पुलिस द्वारा सुरक्षा का रहा पुख्ता इंतजाम। जनपद में प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान कुल पंजीकृत 15768 अभ्यर्थी में 12165 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 3603 अनुपस्थित रहे। उपस्थिती प्रतिशत 77.149 रही। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर, देवेश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर, परमानन्द कुशवाहा एवं प्रशिक्षु क्षेत्राधिकारी, शुभम कुमार द्वारा जनपद में आयोजित ढएळ-2025 परीक्षा के परिप्रेक्ष्य मे कानून एवं शान्ति व्यवस्था दृष्टिगत सर्किल अन्तर्गत परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमणशील/ड्यूटीरत रहकर निर्वाध व शान्ति पूर्ण ढंग से परीक्षा को सम्पन्न कराया जा रहा है।

महिलाओं को हुनरमंद बनाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र आयोजित

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर के जरती माई वेलफेयर अकैडमी में निःशुल्क सिलाई व कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर व डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्र से संबंध रखने वाली बेरोजगार युवतियों व महिलाओं को काफी लाभ मिलने वाला है। उनके लिए यह वरदान साबित हो सकता है। वे रोजगार युवतियों व महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल सराहनीय है। एकेडमी के निदेशक सरोज कुमार ने बताया कि इससे वे रोजगारों का दशा व दिशा दोनों बदलेगी तथा यह कार्य महिला सशक्तिकरण के लिए मील का पत्थर साबित होगा। आने वाले दिनों में

ग्रामीण क्षेत्र में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र युवती व महिलाओं के लिए वरदान साबित होगा और उनके लिए रोजगार सृजन का माध्यम बनेगा। अपनी तकदीर को बदल सकती हैं और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सकती हैं।

14 को जिउतिया का उपवास व 15 को पारण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में जिउतिया व्रत को लेकर दो तिथियों के भ्रम पर विद्वान पंडित ज्योतिष शिरोमणि धनंजय द्विवेदी ने बताया कि 14 सितंबर को जिउतिया का उपवास व 15 सितंबर को पारण है। इस पर महिलाओं को कोई भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। हर साल अश्विनी माह में जिउतिया पर्व उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन जीवितवाहन की पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार इस व्रत को माता अपने पुत्र की रक्षा, सुख, समृद्धि एवं वैभव के लिए करती हैं हालांकि कभी-कभी जिउतिया व्रत की तिथि को लेकर व्रती संशय में पड़ जाती हैं। इस साल भी भ्रम की स्थिति पैदा होने की संभावना है। लेकिन विद्वान पंडित भी एक राय बनाकर यह तिथि तय कर दी है। महाराजगंज जरती माई मंदिर के आचार्य पंडित सुरेंद्र पांडे ने भी कहा कि कुछ तथाकथित पंडितों द्वारा हर साल जिउतिया व्रत पर व्रतियों के बीच संशय पैदा किया जाता है। इस साल भी पूर्व की तरह व्रतियों के बीच संदेह पैदा किया जा सकता है लेकिन भ्रम में पड़ने की जरूरत नहीं है। अलावा इसके अन्य विद्वान पंडितों ने मिलकर उक्त तिथि को तय कर दिया है।

सीओ ने टीमें गठित कर अतिशीघ्र चोरी की घटना का पदार्फाश करने का किया दावा

चंदवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थानाक्षेत्र के विभिन्न गांवों में आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से लोग दहशत में है। अधिकांश हुई चोरी की घटनाओं को जहां पुलिस दर्ज नहीं करती वहीं चोरी की दर्ज घटनाओं का महीनों बाद भी खुलासा करने में पुलिस नाकाम है। चिटकों व मड़ार में विगत 28 जुलाई को एक ही रात हुई तीन घरों से चोरी में चोर 2.70 लाख नकद व एक करोड़ रुपये से ऊपर के गहने चुरा ले गए थे। इतनी बड़ी चोरी की घटना से जहां पीड़ित परिवार विपन्न हो गए वहीं पुलिस के लिए भी चुनौती हो गई। चोरी की बड़ी घटना की जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंचे सीओ अजीत कुमार रजक ने टीमें गठित कर अतिशीघ्र चोरी की घटना का पदार्फाश करने का दावा किया था।

परंतु घटना के एक महीनें से ज्यादा समय बीत जाने के बाद जहां पुलिस के हाथ खाली है वहीं पीड़ित परिवार निराश व दहशत में है। मड़ार व चिटकों में हुई बड़ी चोरी के अलावा चंदवक के पुरानी बाजार स्थित दुर्गा मंदिर में हुई मां के गहनों की चोरी, हरिहरपुर छावनी गांव में हुई नकदी व गहनें की चोरी, बजरंगनगर बाजार के मंदिर परिसर से महिला की हुई सोने की चेन चोरी, हिसामपुर नहर पुलिया के पास गुमटी तोड़कर हुई हजारों की चोरी के अलावा सिधौनी निवासी रामनवल के हनुमान मंदिर के पास दुकान से डीजे म्यूजिक सिस्टम से संबंधित करीब पांच लाख रुपये से अधिक की चोरी, डोभी खास में हुई चोरी सहित अन्य हुई चोरियों की खुलासा करने में पुलिस नाकाम रही। चोरी की घटनाओं का पदार्फाश न होने से लोग जहां दहशत में है वहीं पीड़ित परिवार में निराशा व्याप्त है।

थानाध्यक्ष की टीम लगी हुई है ,जल्द होगा सुराग का खुलासा:सीओ

चंदवक। थानाक्षेत्र के अंतर्गत हुई चिटकों, मड़ार में बड़ी चोरी व अन्य स्थानों पर हुई चोरियों के खुलासे के संबंध में पूछे जाने पर क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक ने बताया कि थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह की टीम लगी हुई है।सुराग हाथ लगा है। जल्द खुलासा हो जाएगा।

बिहार के एनजीओ आपका आंचल को पुरस्कार मिला

पटना। इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग्स लिमिटेड, जो छह दशकों से अधिक समय से अग्रणी जल अवसंरचना समाधान प्रदाता है, ने अपने बहुप्रतीक्षित पुरस्कार समारोह के तीसरे संस्करण, इलेक्ट्रोस्टील जल सेवक सम्मान 2025 का आयोजन किया। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों और संस्थानों को मान्यता देता है जो जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रभावशाली बदलाव ला रहे हैं। व्यक्तिगत श्रेणी में जल सेवक सम्मान 2025 पश्चिम बंगाल की लीलाबती महता को प्रदान किया गया, जिन्होंने झारग्राम में तालाब आधारित जल एवं मृदा संरक्षण की जमीनी पहल का नेतृत्व किया।

झारखंड के जेम्स हेरेंज को पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने और आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के उनके समर्पित प्रयासों के लिए उपविजेता के रूप में मान्यता दी गयी। संगठन श्रेणी में, यह पुरस्कार बिहार के एनजीओ आपका आंचलऱ को प्रदान किया गया, जिसने स्थायी गांव-स्तरीय जल मॉडल बनाने में अग्रणी प्रयास किये। उपविजेता की मान्यता ओडिशा की एसोसिएशन फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन सोशियो इकोनॉमिक एक्टिविटीज (आदर्शा) को प्रदान की गयी। आजीवन उपलब्धि पुरस्कार झारखंड के साइमन उराँव को प्रदान किया गया, जिन्हें झारखंड के जलपुरुष के रूप में जाना जाता है।

सीएम नीतीश कुमार ने सिवान को दिया 558 करोड़ की सौगात, महिलाओं को मिला रोजगार का तोहफा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सिवान पहुंचने पर जनता जनार्दन को 558 करोड़ 35 लाख रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और कार्यारंभ का बटन दबाया। मुख्यमंत्री सिवान में आयोजित कार्यक्रम में बिहार सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ-साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, पथ निर्माण और पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री को भी लेकर पहुंचे थे।

विद्युत क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट :

सिवान में योजनाओं में विद्युत क्षेत्रा 222 करोड़ 1 लाख रुपये की लागत से मैरवा में 220, 132 और 33 केवी ग्रिड उपकेंद्र और संबंधित लाइन बे का निर्माण , इसके अलावा, 10 करोड़ 12 लाख रुपये से सोनकरा आंदर में 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र और 9 करोड़ 93 लाख रुपये से माधोपुर महाराजगंज में भी इसी तरह का उपकेंद्र , मशरख महाराजगंज में 9 करोड़ 43 लाख रुपये की लागत से 132 केवी संचरण लाइन का द्वितीय सर्किट स्ट्रिंगिंग और सिवान ग्रिड उपकेंद्र में 8 करोड़ 49 लाख रुपये से 80 एम वी ए ट्रांसफार्मर का अधिष्ठापन की हरि झंडी दी।

बुनियादी ढांचे का विकास :

सिवान में सड़क और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी कई योजनाएं कायारंभ किया। 120 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत से पकड़ी बाईपास मोहम्मदपुर मोड़ से छपिया टेढ़ी घाट गोपालपुर पथ का चौड़ीकरण , 67 करोड़ 47 लाख रुपये से सिवान आंदर पथ और 18 करोड़ 26 लाख रुपये से भंटा पोखर जीरा देई पथ का जामापुर बाजार तक चौड़ीकरण होगा,

रेल ओवर ब्रिज का निमार्ण :

यातायात सुविधा को बेहतर बनाने के लिए सिवान रेलवे स्टेशन से पचरुखी रेलवे स्टेशन के बीच लेवल क्रॉसिंग संख्या 91 इस पी एल पर 93 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से रेल ओवर ब्रिज का निर्माण , इस परियोजना क्षेत्र में यातायात की समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

महिलाओं के लिए नई पहल :

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की भी शुरूआत की। इस योजना से संबंधित मार्गदर्शिका जारी की।. इस योजना में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह दौरा सिवान के लिए विकास की नई गति प्रदान किया है। विद्युत, सड़क, रेल ओवर ब्रिज और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाओं के माध्यम से जिले में बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम कहे जा रहे हैं। यह दौरा न केवल सिवान, बल्कि पूरे बिहार के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

रेल प्रशासन की मनमानी या दलालों का खेल? लाल शेखर सिंह ब्युरो

मुंबई/वसई (उत्तरशक्ति)। रेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यात्रियों के हितों की अनदेखी और काउंटर बंद रखने की नीति ने दलालों की चांदी कर दी है, जबकि साधारण जनता टिकट के लिए रातभर लाइन में खड़े होकर भी खाली हाथ लौट रही है। वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह ने 5 नवम्बर की सुबह वसई आरक्षण केंद्र पर वास्तविक हालात देखने पहुंचे। वहां जो तस्वीर सामने आई, वह रेल प्रशासन की लापरवाही की पोल खोलती है। आधी रात से कतार, सुबह भी निराशा यात्रियों का कहना है कि टिकट पाने के लिए उन्हें रात 12 बजे से ही नंबर लगाना पड़ता है। सुबह 8 बजे गेट खुलते ही सभी उम्मीदें जगती हैं। लेकिन वसई में चार काउंटर होने के बावजूद केवल दो ही काउंटर खोले गए। नतीजा–सैकड़ों यात्रियों में से सिर्फ कुछ गिने-चुने लोग ही टिकट हासिल कर पाए। बाकी को या तो वेटिंग लिस्ट थमाई गई या नो टिकट का ठप्पा लग गया। दलालों को क्यों है इतनी सहूलियत? नाराज यात्रियों का आरोप साफ है–यह खेल दलालों को फायदा पहुंचाने के लिए रचा गया है। लाइन में खड़े साधारण यात्री परेशान होते हैं, जबकि टिकट दलालों के पास आसानी से पहुँच जाता है। एक यात्री ने कहा–हम पूरी रात खड़े रहे, लेकिन दलाल सुबह हंसते हुए टिकट लेकर निकल गए। क्या यह रेलवे का भ्रष्ट तंत्र नहीं है? प्रशासन ने ठीकरा ऊपर के आदेशों पर फोड़ा जब इस मामले में पत्रकार ने वसई के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी से पूछा तो उन्होंने मोबाइल पर अन्य स्टेशनों के उदाहरण दिखाते हुए कहा–यह ऊपर से आदेश है। कई जगह काउंटर बंद हैं। हमारी मर्जी से कुछ नहीं हुआ। जिम्मेदारी कौन लेगा? सबसे बड़ा सवाल यही है कि जनता की परेशानी का जिम्मेदार कौन है? शासन या प्रशासन? रेल मंत्रालय यात्रियों की आवाज क्यों नहीं सुनता?

आखिर आमजन कब तक दलालों और प्रशासनिक खेल का शिकार होते रहेंगे? यह खोजी पड़ताल बताती है कि समस्या सिर्फ वसई तक सीमित नहीं, बल्कि देशभर में कई आरक्षण केंद्रों पर यही हाल है। काउंटर कम खोलना, टिकट सिस्टम को जटिल बनाना और यात्रियों को निराश करना कहीं-न-कहीं एक संगठित तंत्र की ओर इशारा करता है।

मारवाड़ी युवा सेवा संस्था की तरफ से अनंत चतुर्थी के दिन 15 वे वर्ष 451 किलो बूंदी के प्रसाद बांटे

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। मारवाड़ी युवा सेवा संस्था के माध्यम से 15 वे वर्ष भी अनंत चतुर्थी के दिन आचोले रोड स्थिति बापा सीताराम बिल्डिंग के सामने पंडाल से 451 किलो बूंदी प्रसाद का वितरण किया गया । उसके साथ ही साथ गणेश भक्तों को गुड्डे बिस्किट, पारले बिस्किट का भी वितरण किया गया। इस प्रसाद वितरण का शुभारंभ समाज सेवक अमित ओमप्रकाश दुबे और संस्था के कार्यकताओं ने गणपति बप्पा की पूजा अर्चना करके आरंभ किया गया । समाज सेवक विजय घोलप उर्फ भाऊजी ,मारवाड़ी युवा सेवा संस्था रजि क्रमांक , ऋ9328 के पदाधिकारी ,प्रकाश रसगनियां, राजेश वर्मा ,बाबूलाल मावलीया,महेश चेजारा, नवरंग लाल कुम्हार, औमप्रकाश वसई वाले, रमेश मदनी, रमेश सिरसवा, रोहिदास कासमिवाल,सुभाष गुढ़ा,रामनिवास खरोलिया, गोपीराम कानोड़िया, लक्ष्मण कुमावत, छोटेलाल गजराज, गुमान कानोड़िया ,वर्षा वर्मा,सुनीता देवी,गीता देवी, शर्मिला देवी,पप्पू ,मनोज , मुकेश, कैलाश प्रजापति,जगदीश ,रामचन्द्र शंकर लाल , कुलदीप गिरधारी, दैनिक सामना के पत्रकार आर आर सिंह, राजेश बबाई,माही वर्मा , हर्षित , राजेश वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इस प्रसाद वितरण में अहम भूमिका निभाई। मारवाड़ी युवा सेवा संस्था की तरफ से श्रावण महीने में तुंगारेश्वर मंदिर के पास सीताराम मंदिर पर हर वर्ष महाभंडारा का आयोजन किया जाता है । मकर संक्रांति में गोशालाओ में जाकर डोनेशन और गाय को घास वितरण किया जाता है। अनाथ आश्रम में कपड़ा, नोट बुक, कंबल ,एक दिन का खाना संस्था के माध्यम से दिया जाता है। वही ठंडी के समय रोड पर सोने वाले गरीब लोगों को सैकड़ों कंबल बांटा जाता है। यह संस्था समय समय पर सामाजिक कार्य करती रहती है।

लायंस क्लब रेणुकूट में टीचर्स डे एवं अवार्ड नाइट का भव्य आयोजन

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब रेणुकूट द्वारा हिंडालको ऑडिटोरियम प्रांगण में जनरल बॉडी मीटिंग एवं टीचर्स डे-अवार्ड नाइट कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब प्रेसिडेंट लॉयन रॉबिन श्रीवास्तव द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद लायंस स्कूल के शिक्षकों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। लायंस स्कूल के बच्चों ने गणेश वंदना, गुरु वंदना एवं टीचर्स डे पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

क्लब सचिव लायन बृजेश जायसवाल ने सभी सदस्यों, लायन लेडीज एवं बच्चों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति और सहयोग से कार्यक्रम में चार चांद लग गए। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी सभी सदस्य इसी प्रकार क्लब के कार्यक्रमों में सहभागिता कर उत्साहवर्धन करते रहेंगे। इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट डॉ. राकेश रंजन ने भी अवार्ड नाइट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवम वर्ष पर्यंत उत्कृष्ट कार्य करने वाले लॉयन साथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही लॉयन लेडीज को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मुकुल श्रीवास्तव, संजय सक्सेना, संजय कुमार, संजय अमिस्ट, लॉयन डीसी पांडे, लॉयन गोपाल सिंह, लॉयन सुनील दुबे, लायन मनोज सिंह, लॉयन विष्णु मोदी, लॉयन सुनील अग्रवाल, लॉयन रवि शंकर तिवारी, लॉयन आर.के. मिश्रा,लॉयन संजय जायसवाल, लॉयन संतोष जायसवाल, लॉयन डी.पी. सिंह, लॉयन सुभाष राय, लॉयन उत्तम जायसवाल, लॉयन अनिल जायसवाल, लॉयन संतोष जायसवाल, लॉयन प्रकाश चंद गुप्ता, लॉयन राहुल, लॉयन विवेक अग्रवाल अग्रवाल तथा एम.जे.एफ. लॉयन एल.पी. गुप्ता जी शामिल हुए। अंत में क्लब सचिव बृजेश जासवाल ने सपरिवार पधारे पब्लिसिटी विभाग के प्रशांत श्रीवास्तव का स्वागत पुष्प गुच्छ एवम माल्यार्पण के साथ किया। स्वादिष्ट व्यंजन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

युवाओं को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने हेतु शासन प्रतिबद्ध: बृजेश सिंह

उत्साह, निष्ठा और ईमानदारी के साथ करें अपने दायित्वों का निर्वहन- जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा के चयनित विभिन्न व्यवसायों के 16 अनुदेशकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिंशू, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अन्य अधिकारीगण कर्मचारीगण और नवचयनित अनुदेशकों की उपस्थिति में लोकभवन सभागार लखनऊ से आयोजित नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखा गया तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। सदस्य विधान परिषद तथा जिलाधिकारी द्वारा मैकेनिक, मोटर व्हीकल, टर्नर, फीटर, इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन, कोपा, प्लंबर, कॉस्मेटोलॉजी, ड्रेस मेकिंग, फैशन डिजाइनिंग सहित विभिन्न व्यवसायों से चयनित जनपद के 16 नवचयनित अनुदेशकों वैशाली, किरण, अनिल कुमार यादव, राजकुमार, राजू सोनकर, पूजा गुप्ता, सोनी यादव, आशुतोष सिंह, रामप्रवेश मौर्य सहित अन्य को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरित किया गया। नियुक्ति प्रमाण पत्र पाकर अनुदेशक पद पर चयनित युवा तथा उनके परिजन उत्साहित दिखे। सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिंशु ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास तथा उद्यमिता विभाग के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में नवनियुक्त सभी अनुदेशकों को ढेर सारी शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता है कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया जाए, इसी दिशा में पूरी पारदर्शिता और शुचिता के साथ नियुक्तियां दी जा रही है। प्रदेश में उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। निश्चित रूप से अलग-अलग क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने तथा तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाए जाने हेतु शासन प्रतिबद्ध है। सबके सामूहिक प्रयास से ही हमारा प्रदेश उत्तम प्रदेश बनेगा। जिलाधिकारी ने सभी नवचयनित अनुदेशकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो भी सेवा में आता है, पूरे उत्साह के साथ आता है। आशा है कि इसी उत्साह के साथ पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। अंत में नोडल प्रधानाचार्य आईटीआई कॉलेज मनीष पाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर नोडल प्रधानाचार्य आईटीआई कॉलेज मनीष पॉल, डीसी एनआरएलएम, अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण तथा नवचयनित अनुदेशक और उनके स्वजन उपस्थित रहे।

भाजपा नेता एड नीतीश कुमार वर्मा द्वारा गणपति विसर्जन के मौके पर वडा पाव वितरण

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में गणपति विसर्जन के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रकोष्ठ कनकिया मंडल के तत्वधान में, वडा पाव एवं पानी के बोतल का वितरण कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम एनरिच सैलून के बगल में मैकडोनाल्ड के सामने मीरा भायंदर रोड पर रखा गया था। यह कार्यक्रम 6 सितंबर शाम 7:00 बजे से लेकर रात 12:00 बजे तक किया गया, जहां पर श्रद्धालु एवं भक्तगणों ने लंबी कतर में खड़ा होकर बड़ा पाव एवं पानी के लाभ लिए। यह कार्यक्रम सेवा भाव के रूप में किया गया था। शहर के स्थानीय लोगों के मने तो यह आयोजन सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत अच्छा सराहनीय कार्य किया गया है। कार्यक्रम के बारे में पूछे जाने पर एड नीतीश कुमार वर्मा ने बताया कि विगत चार-पांच वर्षों से गणपति विसर्जन के अवसर पर और गणपति बप्पा के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम किया जाता है। कहा जा रहा है कि इस बार 10000 के ऊपर बड़ा पाव एवं पानी बोतल का वितरण किया गया। इस अवसर पर आए हुए मुख्य अतिथि स्थानीय भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के साथ-साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं वो पदाधिकारियों ने अपना उपस्थिति दर्ज कराई, इस अवसर पर एड नीतीश कुमार वर्मा ने अपने हाथों से सभी का स्वागत सम्मान किया, और बड़े ही धूमधाम से कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

ग्रहण सूतक से पहले गूंजी गंगा आरती

वाराणसी. प्राचीन काशी का दशाश्वमेध घाट रविवार को एक अद्वितीय दृश्य का साक्षी बना। जहां प्रतिदिन संध्या बेला में मां गंगा की महाआरती से पूरा वातावरण गूंजता है, वहीं इस बार चंद्रग्रहण के कारण आरती का आयोजन दिन के उजाले में सम्पन्न हुआ। काशी की गंगा आरती केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन और संस्कृति का आधार है। दिन में सम्पन्न हुई यह अद्भुत आरती यह संदेश देती है कि आस्था का दीपक हर परिस्थिति में प्रज्वलित रहना चाहिए। गंगा की धारा और आरती की लौ, काशी की परंपरा को अमर करती है। ग्रहण के सूतक में भी आस्था अडिग रहती है, यही काशी की सनातन शक्ति और विश्व को दिया संदेश है।

गंगोत्री सेवा समिति की ओर से आयोजित इस विशेष आरती का शुभारंभ प्रात: 11:45 बजे हुआ और ग्रहण लगने से पूर्व इसे विधिवत पूर्ण कर लिया गया। समिति के अध्यक्ष पं. किशोरी रमण दुबे ने बताया कि पिछले 35 वर्षों में यह महज पांचवीं बार है जब मां गंगा की आरती दिन में सम्पन्न हुई। इससे पहले 28 अक्टूबर 2023, 16 जुलाई 2019, 27 जुलाई 2018 और 7 अगस्त 2017 को भी आरती का समय बदला गया था। फिलहाल गंगा के बढ़े जलस्तर के कारण आयोजन घाट की सीढ़ियों के बजाय छत पर हुआ। शंखनाद, मंत्रोच्चार और दीपों की लौ से जब दोपहर का वातावरण आलोकित हुआ तो श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। दिल्ली से आए पर्यटक अजय अग्रवाल ने कहा, हमने गंगा आरती कई बार देखी है, लेकिन दिन में इसका साक्षी बनना जीवन का अद्वितीय अनुभव है। वाराणसी की श्रद्धालु सरिता पांडेय ने कहा, ग्रहण के कारण आरती का समय बदलना पड़ा, लेकिन मां गंगा का आशीर्वाद हर अवसर मिल गया, यही सबसे बड़ी बात है। कोलकाता से आए युवा सुशांत मुखर्जी बोले, इतिहास की आरती भव्य होती है, लेकिन दोपहर की इस आरती की पवित्रता का अनुभव शब्दों में नहीं बताया जा सकता।

धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व

हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार ग्रहण काल में पूजा-पाठ और मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। सूतक काल लगते ही मंदिरों के द्वार बंद हो जाते हैं और अनुष्ठान स्थगित कर दिए जाते हैं। ऐसे में ग्रहण से पूर्व सम्पन्न हुई

काशी में शक्ति का महाकुंभ: माता विशालाक्षी के कुम्भाभिषेक से गूंजेगी काशी नगरी, दिसंबर में होगा भव्य आयोजन

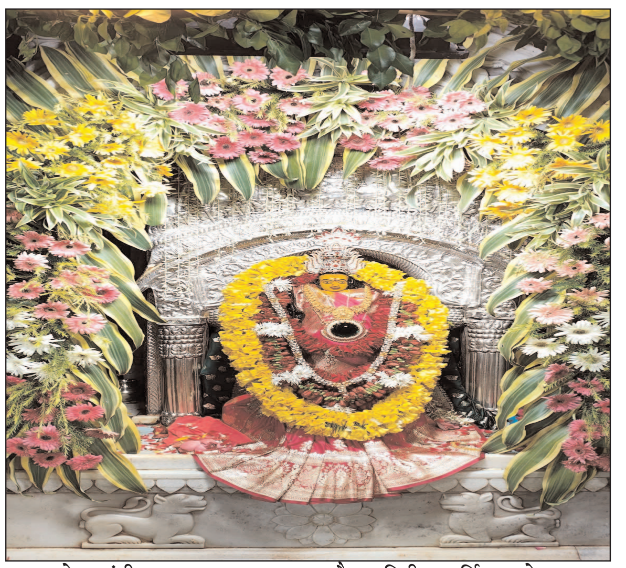

-सुरेश गांधी

वाराणसी. काशी की पवित्र धरती, जहाँ महादेव का धाम और गंगा की धारा मिलकर सनातन आस्था को जीवन देती हैं, उसी काशी में इस वर्ष एक ऐतिहासिक और अद्वितीय धार्मिक महोत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। महादेव की शक्ति स्वरूपा माता विशालाक्षी का कुम्भाभिषेक दिसंबर माह में संपन्न होगा। यह दिव्य आयोजन पूरे 12 वर्ष में एक बार होता है और परंपरा के अनुसार इसमें दक्षिण भारत से लेकर पूरे देश से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। अनुमान है कि इस बार लगभग एक लाख श्रद्धालुओं का आगमन होगा। कुम्भाभिषेक की औपचारिक तैयारियाँ 11 सितंबर को आरंभ होंगी। इस दिन तमिलनाडु से आए चार वैदिक विद्वान माता के विग्रह स्थान परिवर्तन का शुभ अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। इसी के साथ तीन महीने तक चलने वाली मंदिर की मरम्मत, रंग-रोगन, जीर्णोद्धार और नवनिर्माण की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो जाएगी। यह कार्य केवल भौतिक संरचना का नहीं, बल्कि श्रद्धा और आस्था के पुनर्संस्कार का भी प्रतीक माना जाता है।

परंपरा और दक्षिण भारतीय श्रद्धालुओं की आस्था

काशी की विशालाक्षी शक्ति पीठ दक्षिण भारत के श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखती है। यही कारण है कि इस आयोजन की जिम्मेदारी सदियों से नाटुकोट्टई नगर क्षेत्रम सोसायटी, तमिलनाडु निभाती आ रही है। सोसायटी मंदिर के रखरखाव से लेकर आयोजन की पूरी देखरेख करती है। शनिवार की शाम गोदौलिया स्थित सोसायटी कार्यालय में अध्यक्ष लेना नारायण ने महंतों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। महंतों ने इस महायज्ञ में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

आस्था और अध्यात्म का संगम

काशी में होने वाला यह कुम्भाभिषेक केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि शक्ति और शिव के मिलन की प्रतीकात्मक पुनर्पुष्टि है। माता विशालाक्षी का यह महोत्सव आस्था को नवचेतना देता है और समाज को यह संदेश भी कि शक्ति की उपासना के बिना शिव की साधना अधूरी है। बैठक में सोसायटी अध्यक्ष लेना नारायण, मंदिर के महंत सुरेश तिवारी, राजनाथ तिवारी, नितिन तिवारी और चिराग दुबे मौजूद रहे।

भागवत महायाग के साथ कथा का समापन

सीकर। अनिरुद्ध रेजिडेंसी पालवास रोड सीकर में ऋषिकेश देवाचार्य श्री गणेश दास बैरागी एवं ज्योतिष रत्न यागिक विक्रम शास्त्री के सानिध्य में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का समापन शतांश महायज्ञ के साथ किया गया। कथा के महायग में मुख्य यजमान अनिरुद्ध रेजिडेंसी के अध्यक्ष राजेश कुमार वर्मा वीरेंद्र कुमार बाटड़ भगवान राम गुर्जर कृष्णा पारीक दशरथ सिंह कमलेश सोनी अमायरा सोनी बंशीधर शर्मा सहित रेजिडेंसी के समस्त श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित रहे। रेजिडेंसी के अध्यक्ष राजेश कुमार सचिव दशरथ सिंह कोषाध्यक्ष राजकुमारी जांगिड़ सहित समस्त कार्यकारिणी ने वृंदावन धाम से पधारे हुए कथावाचक श्री बृजभूषण जी महाराज यज्ञ आचार्य विक्रम शास्त्री भागवत का मूल पाठ करने वाले पंडित दीपक पाराशर ऋषिकेश देवाचार्य गणेशदास जी महाराज का दुपट्टा पहनाकर एवं भगवान श्री कृष्ण राधा का आकर्षित चित्र प्रदान कर आभार प्रकट किया। कर्कोटक तीर्थ के महाराज ने कहा कि जिस प्रकार रत्नाकर को वाल्मीकि ध्रुव को बालपन में ही अमरता गज को मोक्ष विदुर जी को ब्रह्म ज्ञान उद्धव जी को पौरुष कुब्जा को कमनीय रूप सुदामा को धन प्रभु चरणों की सेवा से प्राप्त हुआ। इस प्रकार भगवान कहते हैं कि मुझे वही व्यक्ति प्रिय है। जिसमें भक्ति के साथ गुण विद्यमान है रेजिडेंसी के समस्त भक्त जनों ने नम आंखों से श्री भागवत जी पोथी की विदाई की।

पार्कसाईट श्री रामलीला उत्सव समिति की बैठक संपन्न

आदेश मिश्र

मुंबई। पार्कसाईट विक्रोली (पश्चिम) स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में पिछले 58 वर्षों से भव्य श्री रामलीला मंचन, श्री राम बारात तथा कवि सम्मेलन का सफल आयोजन होता आ रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी समिति द्वारा आयोजित 59वें श्री रामलीला महोत्सव का आयोजन आगामी 22 सितंबर से 3 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार, 7 सितंबर को घाटकोपर वेस्ट के अमृतनगर में समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंचन की व्यवस्थाओं के साथ-साथ श्री राम बारात, कवि सम्मेलन, दशहरा मेला, श्री रामचरित मानस एवं महाभारत पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता जैसे विविध सांस्कृतिक आयोजनों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, सचिव दिवाकर मिश्र, दलजीत पांडेय, सर्वदेव पांडेय, बाबुलनाथ तिवारी, राजेश सिंह, भोलानाथ मिश्रा, संजय मिश्रा, विमलेश मिश्र, मनिकेश तिवारी, बृजेश शुक्ल, अरविंद के. शुक्ल, अरविंद सी. शुक्ल, प्रमुख राहुल सी. शुक्ल, दिनेश सिंह, आदेश मिश्र (संगठन मंत्री एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी, महाराष्ट्र शासन), सौरभ यादव, रामतीरथ शर्मा, रमापति यादव, तपस्वीलाल चौरसिया, विपिन सिंह, कृष्णचंद्र शर्मा, सद्भावना यादव, प्रेम कुमार तिवारी सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मारकुंडी घाटी में ब्रेक फेल होने से हादसा, पेंट से भरी डीसीएम पलटी

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। चोपन थाना क्षेत्र की मारकुंडी पुरानी घाटी पर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। गाजियाबाद से उड़ीसा के संभल जा रही पेंट से लदी डीसीएम अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक और खलासी को मामूली चोटें आईं। चालक के मुताबिक घाटी उतरते समय अचानक वाहन के ब्रेक फेल हो गए। जिससे डीसीएम अनियंत्रित होकर पलट गई। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में वाहन में लदा पेंट बिखर कर सड़क पर फैल गया। चालक ने घटना की पुरी जानकारी वाहन स्वामी को दी। सूचना मिलते ही गुरमा चौकी प्रभारी धर्म नारायण भार्गव अपने हमराहीयों के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी लेते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार चोपन थाना क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर स्थित मारकुंडी घाटी में रविवार शाम एक बड़ा हादसा होने से बच गया। पेंट से लदा एक डीसीएम ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक में लदा पेंट सड़क पर बिखर गया। चालक इमरान ने बताया कि वह गाजियाबाद से उड़ीसा के संभल जा रहा था। ट्रक में 20 लीटर के 500 डिब्बे और 10 लीटर के 250 डिब्बे पेंट लदे थे। मारकुंडी घाटी के दूसरे मोड़ पर ब्रेक फेल होने से वाहन अनियंत्रित हो गया। हादसे में खलासी को मामूली चोटें आईं। बता दे कि मारकुंडी घाटी में पर बने बेतरकीब तरिके की रोड की वजह से अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय लोगों में अक्सर होती दुर्घटनाओ को लेकर जिला प्रशासन के प्रति गुस्सा देखने को मिला। उनका कहना है कि मात्र दुर्घटना का केस समझ कर प्रशासन कार्य करती है दुर्घटना कैसे हो रही इसपर कैसे अंकुश लगाया जाये इस तरफ ध्यान नहीं दिया जाता।

भारतीय संस्कृति, लोकगीत और संस्कृत भाषा संरक्षण परिषद सम्पन्न

वसई रोड। भारत विकास परिषद, वसई शाखा मुंबई-कोकण प्रांत महाराष्ट्र के तत्वावधान में राष्ट्रीय हिंदी-संस्कृत समूह गायन एवं लोकगीत प्रतियोगिता स्पर्धा का भव्य आयोजन रविवार को विश्वकर्मा हॉल, वीर सावरकर नगर वसई पश्चिम में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप वसई विधायक स्नेहा दुबे ने उपस्थित रही। इस अवसर पर भारतीय लोकगीत, संस्कृत भाषा और हमारी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। इस मौके पर मेरे साथ भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संपत खुर्दिया, भारत विकास परिषद के मुंबई कोकण प्रांत अध्यक्ष अविनाश अधिकारी, जिल्हा संघचालक वसई उमेश मिस्त्री, भाजपा नेता चंद्रशेखर धुरी, एडवोकेट रामप्रसाद केवट, डॉ संजय वाघाणी, प्रेवेक्षक दिगंबर काळे, भाजपा वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, दीपक शर्मा, सौ अपर्णा पाटिल, मयंक शेठ, डॉ सीमा सेंगर, साथ ही भारत विकास परिषद वसई अध्यक्षा सौ स्वाती आचार्य, सचिव सौ प्रज्ञा भार्गव, कोषाध्यक्ष सौ प्रिया शुक्ला, संयोजिका सौ प्रभा मंगला और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से परिपूर्ण लोकगीत और संस्कृत समूह गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा।

नालासोपारा महाभंडारा में 25 हजार गणेश भक्तों ने लिया महाप्रसाद का लाभ

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। अनंत चतुर्दशी के शुभ अवसर पर नालासोपारा पूर्व स्थित गालानगर में आयोजित महाभंडारा में इस वर्ष 25,000 से अधिक गणेश भक्तों ने महाप्रसाद का लाभ उठाया। इस विशाल भंडारे का आयोजन भाजपा विधायक राजन नाइक की प्रेरणा और मार्गदर्शन में किया गया, जिसकी जानकारी मुख्य आयोजक मनोज बारोट ने दी। यह आयोजन कई वर्षों से गालानगर स्थित भाजपा कार्यालय में परंपरागत रूप से होता आ रहा है, लेकिन गणेश भक्तों की बढ़ती संख्या और उत्साह को देखते हुए इसे अब ह्यमहाभंडाराह्ल का स्वरूप दिया गया है। भक्तों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और लगातार बढ़ती सहभागिता इस आयोजन की लोकप्रियता को दशार्ती है।

विधायक राजन नाइक द्वारा विरार क्षेत्र में भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नारायण मांजरेकर के नेतृत्व में मनवेलपाड़ा में महाभंडारा का आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर एक साथ महाभंडारा का सफल आयोजन कर, श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त, आयोजन के दौरान कई स्थानों पर बिस्कुट, वड़ा पाव, पोहा, चाय और चाशनी जैसे प्रसाद का भी वितरण किया गया, जिसे भक्तों ने अत्यंत सराहना के साथ स्वीकार किया। इस अवसर पर विधायक राजन नाइक, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र पाटिल, सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी कार्यकताओं की सराहना की और गणेश भक्तों को उनके सहयोग व सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया।

प्रजापति परिवार की लगभग 120 वर्षीय वृद्धा का निधन

जलालपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना अंतर्गत ग्राम दौड़ी निवासी प्रजापति परिवार की 125 वर्षीय वृद्धा स्वर्गीय प्रागी देवी का हाल ही में निधन हो गया। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं, जिनमें उनके पुत्र पृथ्वी पाल, द्विडपाल पाल, सेवालाल, लल्लन, श्यामा, खेल्लन सहित कई नाती-पोते शामिल हैं। स्वर्गीय प्रागी देवी के निधन की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों सहित समाज के सैकड़ों लोगों ने उनके अंतिम दर्शन किए और पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। परिजनों के अनुसार, प्रागी देवी अपने सादगीपूर्ण जीवन, धार्मिक आस्था और सामाजिक सरोकारों के लिए जानी जाती थीं। उनका आशीर्वाद परिवार और समाज के लिए हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहेगा।

गणेश भक्तों की सेवा में लगा रहा भोर भ्रमण परिवार

भायंदर। जेसल पार्क चौपाटी में सुबह भ्रमण करने वाले प्रबुद्ध लोगों की सामाजिक संस्था भोर भ्रमण परिवार असोसिएशन द्वारा कल अनंत चतुर्दशी के अवसर पर बप्पा का विसर्जन करने जा रहे गणेश भक्तों को मिनरल वाटर की सेवा प्रदान की गई। संस्था के संरक्षक तथा राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में संस्था के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, संस्थापक मुरलीधर पांडे, सचिव सतीश चौबे, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र दुबे, एड.राजकुमार मिश्रा, अभयराज चौबे, राजीवमणि त्रिपाठी, आनंद पाठक,संतोष मिश्रा, जेपी मिश्रा, जेएन तिवारी, अनिल पांडे, पप्पू सिंह, आरपी सिंह,संजय दुबे, राजेश दुबे, प्रभाकर मिश्रा, आनंद मोहन, श्रीकांत उपाध्याय, माताकृपाल उपाध्याय समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। अंत में संस्था के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने समस्त लोगों को धन्यवाद दिया।

वैज्ञानिक डॉ राकेश कुमार सैन का समाजसेवियों ने किया सम्मान

मुंबई। महानगर के विक्रोली शहर स्थित आइबियस थ्री स्टार होटल, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुंबई के प्रांगण में रविवार दिनांक 7 सितंबर 2025 को डॉ रेड्डी फर्मास्युटिकल लैब कंपनी हैदराबाद के मुख्य विभाग प्रबंधक डॉ राकेश कुमार सैन को समाजसेवियों ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। वैज्ञानिक डॉ राकेश कुमार सैन के मुंबई आगमन पर मुंबई महानगर के समाजसेवियों ने शिष्टाचार मुलाकात किया तथा सामाजिक उत्थान हेतु लंबी परिचर्चा भी किया।उक्त शिष्टाचार मुलाकात में महानगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि विनय शर्मा दीप, समाजसेवी सैन हरिकेश शर्मा नंदवंशी,सैन प्रदीप कुमार शर्मा नंदवंशी,अधिवक्ता अनिल शर्मा (नोटरी) एवं वरिष्ठ समाजसेवी संतोष निरंकार शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।समाज में मार्गदर्शक के रुप में अपना स्थान बनाने वाले डॉ राकेश ने कहा बच्चों के उच्च शिक्षण पर विशेष ध्यान दीजिए समाज का कायाकल्प बदल जाएगा।

आदर्श गणेश पूजन उत्सव का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।नेवढ़िया के रामलीला मैदान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आदर्श गणेश पूजन उत्सव का आयोजन पूरे धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। इस आयोजन में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिनय सेठ ने की, जबकि विष्णु प्रसाद उमरवैश्य उपाध्यक्ष रहे। आयोजन की कोषाध्यक्ष जिम्मेदारी आशीवन सेठ (विक्की) ने निभाई। महामंत्री अभिषेक उमरवैश्य (बाबा) एवं उप महामंत्री संजय सेठ (बाबा) के कुशल संचालन में कार्यक्रम को सुंदर रूप दिया गया। व्यवस्थापक की भूमिका में शिवम उमरवैश्य, गौरव सेठ, टिंकू सेठ, शिवशंकर मोदनवाल, अमन गुप्ता और मक्खन गुप्ता ने विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर विकास सेठ, हरिओम पटेल, विष्णु सेठ, जयप्रकाश मोदनवाल, राजेश सेठ, भगवानदास सेठ, अश्वनी सोनी (निक्की), नीतीश सेठ, दीनबंधु मोदनवाल, नमन गुप्ता, सौरभ चौरसिया, संतोष सेठ (बचानू) और किशन मोदनवाल (ग्राम प्रधान) समेत कई कार्यकताओं एवं गणमान्य नागरिकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस सफल आयोजन में समस्त बाजार वासियों का भी भरपूर सहयोग मिला, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में हर संभव सहायता की। कार्यक्रम में भक्ति गीत, आरती, प्रसाद वितरण एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से गणेश पूजन उत्सव को एक विशेष और यादगार रूप दिया गया।

शिक्षक ही राष्ट्र का सच्चा निमार्ता : चंद्रभान वर्मा

करौदीकला, सुल्तानपुर। बाबू राम उजागिर सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मेवपुर बरचौली में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को याद किया। मुख्य अतिथि करौदीकला थाने के प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट करके स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने देश के महान शिक्षाविद को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने जीवन में गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला। श्री वर्मा ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र का सच्चा निमार्ता होता है देश के लिए श्रेष्ठ नागरिक तैयार करता है। उन्होंने बताया कि केवल बच्चों को पढ़ाने वाला ही एक कुशल शिक्षक नहीं होता बल्कि एक आदर्श शिक्षक वह होता है जो सबसे पहले एक श्रेष्ठ विद्यार्थी होता है। शिक्षक बनने से पहले उसे एक विद्यार्थी बनना पड़ता है इससे उसमें सीखने की ललक पैदा होगी तभी वह बच्चों की जिज्ञासा को शांत कर सकेगा ।गुरु अपने शिष्य के हृदय से अंधकार को दूर करके प्रकाश का संचार करता है। उन्होंने देश के द्वितीय राष्ट्रपति के जीवन को सबके लिए अनुकरणीय बताया ।

उन्होंने कहा कि उनके विचारों को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डायरेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि एक गुरु अपने शिष्य के लिए कुम्हार की तरह होता है। वह बाहर से अपने शिष्य को चोट पहुंचाता है और भीतर से संवारता है तभी उसके जीवन में निखार आता है। प्रधानाचार्य अविनाश सिंह ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के बहुमुखी विकास लिए उस देश का शिक्षक ही आधार होता है। उन्होंने कहा कि केवल किताबी ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति शिक्षक नहीं होता है। एक श्रेष्ठ शिक्षक वह होता है जो अपने शिष्य को किताबी ज्ञान के साथ-साथ संस्कारों की शिक्षा भी देता है।

बेस्ट-पीएमआई सहयोग से मुंबई को मिली 12-मीटर लंबाई की 4 इलेक्ट्रिक बसें

मुंबई। ग्रीन मोबिलिटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी - मुंबादेवी मोबिलिटी ने बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) के सहयोग से मुंबई में इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप पेश की है। बेस्ट कार्यालय, कोलाबा डिपो में आयोजित आधिकारिक समारोह में, श्री आशीष शर्मा (आईएएस), महाप्रबंधक, बेस्ट के मुख्य आतिथ्य में 12-मीटर लंबाई की 4 फुली इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई गई। यह तैनाती मुंबई में 250 इलेक्ट्रिक बसों की महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत है, जो शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और मजबूत बनाने के साथ-साथ कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगी। ये बसें ओशिवारा डिपो से संचालित होंगी, जिसे यात्रियों की सुविधा और उच्च मांग वाले मार्गों को ध्यान में रखकर रणनीतिक रूप से चुना गया है। नई 12-मीटर बसें, पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी ने डिजाइन की है और बनाई है। इसमें यात्रियों के लिए टिकाऊ सुविधा का मिश्रण मिलता है। प्रत्येक बस में चालक सहित 36 सीटें, व्हीलचेयर सुविधा और 3 फोल्डेबल सीटों का प्रावधान है ताकि लचीलापन अधिकतम मिले। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग यात्रियों को चढ़ने-उतरने में दिक्कतें न आए, इसके लिए लो-फ्लोर डिजाइन (400 मिमी) की गई है। 366.66 'हँ LFP बैटरी है, जो एक बार चार्ज पर 250 किमी तक की दूरी तय करने में सक्षम है। यह इसे मुंबई के रोजमर्रा के शहरी रास्तों पर चलने के लिए आदर्श बनाता है। पीएमएसएम मोटर सिस्टम इसे सुगम और ऊर्जा कुशल बनाता है, जो सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चंद्रकांत मोदी ने की मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी निवास वर्षा बंगला पर एक विशेष भेंट का अवसर प्राप्त हुआ, जब नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय महासचिव एवं महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी के निमंत्रित सदस्य चंद्रकांत मोदी ने उनसे मुलाकात की। इस सौजन्य भेंट के दौरान श्री मोदी ने गणपति बप्पा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और मुख्यमंत्री फडणवीस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, मुख्यमंत्री का स्नेह एवं मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक रहा है। मोदी ने महाराष्ट्र की प्रगति और समाजसेवा में मुख्यमंत्री के नेतृत्व को सराहा तथा राज्य के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। चंद्रकांत मोदी वर्तमान में MBMC सभापति, नगरसेवक, अखिल भारतीय समाज सेवक अध्यक्ष के पद पर भी कार्यरत हैं और जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

- फ्रेक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगो का इलाज
- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- ट्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)
पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है। ▪ इत्यादि समस्त रोगो का इलाज की सुविधा।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्पन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ0प्र0)
05452-356274/ 7992031213, 9026551423

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)

24x7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

The Culture of Care

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल

24x7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

एस.आर.एस.
हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर
डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थ्रोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट
रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन
डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल
डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल
डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthisia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल
7355 358194
05452- 356555
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर

BAJAJ
ए. एम. बजाज
मो. अशहद
अब्दुल माजिद
मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139
9621032024, 9651316060, 9621139686

AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL
AIR TICKETS
Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer
TV
उत्तरशक्ति
NEWS
Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
Passport, Pan Card & Driving License Services
Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva
Kendra Related Services
7860303530, 9616636079
प्रो0- मो0 आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां
सह- संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (उर्फ़ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0 प्र0)